कोटद्वार, शनिवार
13 जुलाई 2024
वर्ष: 46
अंक: 79 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

दून में 130 जगह पर मिला डेंगू का लार्वा

देहरादून। दून में डेंगू का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। दून में शुक्रवार को 130 जगहों पर डेंगू का लार्वा मिला है। जिसे आशाओं द्वारा नष्ट कर दिया गया। मीडिया समन्वयक पूजन नेगी ने बताया कि दून में अभी तक डेंगू का कोई केस नहीं मिला है। शुक्रवार को 353 आशाओं ने 9455 घरों, 20539 कंटेनर में सर्च अभियान चलाया। इनमें 30 जगह पर डेंगू का लार्वा मिला। 40 वॉलिंटियर मैदान में उतरे, उन्होंने 8561 कंटेनगर एवं 2499 घरों में अभियान चलाया। 100 कंटेनर में डेंगू का लार्वा मिला। अब तक 569 जगह डेंगू का लार्वा मिला है।

कार्रवाई को लेकर अफसरों में रार

सीएमओ कार्यालय में हाल ही में चले छापेमारी अभियान को लेकर रार हो गई है। एक अधिकारी द्वारा दूसरे अधिकारी के कार्यक्षेत्र में दखल पर एतराज जताया गया है। यह मामला सीएमओ स्तर पहुंचा है। कई संस्थानों ने भी इससे जुड़ा मुद्दा उठाया। सीएमओ ने अफसरों को समन्वय से कार्य करने को लेकर निर्देशित किया है।

कलियर के गेस्ट हाउस में देह व्यापार का भंडाफोड़, आठ महिलाओं समेत 19 गिरफ्तार

रुड़की। मानव तस्कर विरोधी सेल और कलियर पुलिस ने एक गेस्ट हाउस में छापेमारी कर 8 महिलाओं सहित 19 लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही एक किशोरी को भी मुक्त कराया है। पुलिस ने गेस्ट हाउस संचालक सहित पकड़े गए सभी आरोपियों के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार और पोक्सो ऐक्ट में मुकदमा दर्ज किया है। कलियर थाना प्रभारी दिलवर सिंह नेगी ने बताया कि कलियर पुलिस और मानव तस्कर विरोधी सेल को सूचना मिली कि क्षेत्र के सोहलपुर रोड स्थित एक गेस्ट हाउस में सेक्स रैकेट संचालित हो रहा है। सूचना पर मानव तस्कर विरोधी सेल और पुलिस की संयुक्त टीम ने गेस्ट हाउस में छापेमारी की। इस दौरान गेस्ट हाउस संचालक मैनेजर, आठ महिलाओं सहित 11 पुरुषों को आपत्तिजनक सामग्री के साथ गिरफ्तार किया गया। साथ ही एक किशोरी को भी मुक्त कराया है। उन्होंने बताया कि गेस्ट हाउस संचालक मुस्तफा एक महिला के साथ मिलकर लंबे समय से गिरोह बनाकर देह व्यापार का धंधा चला रहा था।

नभ क्षेत्र ड्रोन करेगा कांवड यात्रा की निगरानी

देहरादून। मानूसन के दौरान होने वाली कांवड़ यात्रा की निगरानी नभक्षेत्र ड्रोन के जरिए भी की जाएगी। शुक्रवार को राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण–यूएसडीएमए के एसीईओ आनंद स्वरूप ने आईटी पार्क स्थित स्टेट कंट्रोल रूम समीक्षा बैठक के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य को ड्रोन चालक मिल चुके हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ यात्रा मार्ग तथा प्रमुख स्थलों की ड्रोन के जरिए लगातार निगरानी की जाएगी। ड्रोन के जरिये आपदा प्रभावित क्षेत्रों में भूस्खलन, बाढ़ आदि की स्थिति पर भी नजर रखी जा सकेगी। स्वरूप ने आज कंट्रोल रूम में मानसून की तैयारियों का जायजा लिया। स्वरूप ने कहा कि नभनेत्र अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। ये रात को भी उड़ान भरने में सक्षम है तथा थर्मल कैमरा के जरिये रात में भी फोटो तथा वीडियो शूट कर सकता है। यूएसडीएमए के कंट्रोल रूम के जरिए इसकी मदद से हर क्षेत्र का आंकलन किया जा सकता है।

नंदा गौरा योजना के पात्र लाभार्थियों के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रकिया शुरू

देहरादून। उत्तराखंड सरकार की महत्वाकांक्षी नंदा गौरा योजना के लिए पात्र लाभार्थियों के किये आवेदन करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के तहत कन्या के जन्म पर जहां 11 हजार की धनराशि दी जाती है तो वहीं बिटिया के 12 वीं कक्षा उत्तीर्ण कर स्नातक अथवा डिप्लोमा में प्रवेश लेने पर 51 हजार की धनराशि प्रदान की जाती है।कहा कि राज्य सरकार की यह एक महत्वाकांक्षी योजना है।इस योजना से जहां हम कन्या के जन्म पर उन्हें लाभान्वित करते है वहीं 12की पास करने उपरांत 51 हजार की राशि से आच्छादित करने का काम कर रहे हैं।कहा कि नंदा गौरा योजना ने बेटे और बेटी में फैली असमानता को खत्म करने का कार्य किया है। विभागीय मंत्री ने कहा कि योजना का लाभ लेने के लिए वित्तीय वर्ष–2023–24 से पात्र लाभार्थियों के आवेदन की ऑन लाईन व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। कन्या शिशु के जन्म पर आवेदन के लाभ हेतु कन्या के जन्म के 06 माह के अन्दर आवेदन की व्यवस्था है, जिसके तहत पोर्टल पर लगातार आवेदन किये जा रहे हैं।

अफसर कावड़ यात्रा के दौरान चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहे : धामी

● कांवड़ के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मेला नियंत्रण कक्ष हरिद्वार में कावड़ मेला 2024 की तैयारियों को लेकर समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि कांवड़ मेला शुरू होने से पहले सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाए। उन्होंने कहा कि कांवड़ के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। स्थानीय लोगों को आवागमन में अनावश्यक परेशानी न हो। कहा कि कांवड़ मेला हर वर्ष आयोजित होता है, इसके दृष्टिगत स्थायी प्रकृति के कार्यों को प्राथमिकता दी जाए। दीर्घकालीन विकास की कार्य योजनाओं को कार्य संस्कृति में लाने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिव भक्त कावड़ियों के स्वागत में हेली से पुष्प वर्षा की व्यवस्था की जाए। कावड़ यात्रा के दौरान आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए पुलिस और प्रशासन तैयार रहे। कावड़ यात्रा में संपूर्ण मार्ग पर पुलिस बलों की तैनाती के साथ विभिन्न स्थानों पर अस्थाई पुलिस चौकी का निर्माण कार्य भी कराया जाए एवं अतिरिक्त पुलिस फोर्स की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बाईपास और वैकल्पिक मार्गों की जानकारी साइन बोर्ड के माध्यम से कावड़ियों को दी जाए। उन्होंने कांवड़ को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए निरन्तर पड़ोसी राज्यों से भी समन्वय स्थापित कर कार्य करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि कावड़ यात्रा से पहले कावड़ पटरी के सौंदर्यीकरण एवं अन्य मूलभूत व्यवस्थाएं सुनिश्चित करवाई जाए। कावड़ यात्रा मार्ग पर शौचालयों, स्नान घरों, स्वच्छ पेयजल, यात्री शेड, लाईट, मेडिकल सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कावड़ियों की यात्रा और सुगम सरल हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए। यात्रा मार्ग एवं हरिद्वार क्षेत्र में स्थित होटलों ढाबों में भोजन की गुणवत्ता हेतु गुणवत्ता चेकिंग अभियान नियमित चलाया जाए, होटलों और ढाबों में रेट लिस्ट लगाये जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि मेला क्षेत्र में किसी तरह का अतिक्रमण न हो। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी, विधायक आदेश चौहान, प्रदीप बत्रा, श्रीमती ममता राकेश, पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद, पूर्व विधायक संजय गुप्ता, मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्धन, प्रमुख सचिव आर के सुधांशु, एल.फैनई, डीजीपी अभिनव कुमार, सचिव शैलेश बगोली, नितेश कुमार झा, सचिन कुर्वे, विनोद कुमार सुमन, डॉ. आर. राजेश कुमार, कमिश्नर गढ़वाल विनय शंकर पाण्डेय, एडीजी ए.पी. अंशुमान, आई.जी गढ़वाल के.एस नगन्याल, अपर सचिव रणवीर सिंह चौहान, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी, एसएसपी. हरिद्वार प्रमेन्द्र डोभाल एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

5.5 करोड़ कांवड़ियों के आने की संभावना

जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल ने बताया कि कावड़ मेला अवधि 22 जुलाई से 2 अगस्त तक है। इस वर्ष 5.5 करोड़ कावड़ियों के हरिद्वार आने की संभावना है। कांवड यात्रा के सुचारू संचालन हेतु कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गई है, जो 24 घण्टे संचालित होगा। यात्रा के सुचारू संचालन हेतु 14 सुपर जोन, 36 जोन एवं 130 सेक्टर बनाये गये हैं। मेले के लिए 5 नोडल अधिकारियों को नामित किए गए हैं। कांवड पटरी एवं प्रमुख मार्गों को यात्रा हेतु सुगम एवं सुविधाजनक बनाया गया है। स्वास्थ्य शिविर, मोबाईल मेडिकल टीम एवं एम्बुलेंस की सुविधा भी बढ़ाई जा रही है।

एक और कीर्तिमान उत्तराखंड के नाम

● एसडीजी 2023–24 में उत्तराखंड को देश में प्रथम स्थान

देहरादून। नीति आयोग भारत सरकार ने आज शुक्रवार को एसडीजी 2023–24 की रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट में उत्तराखंड ने सतत विकास लक्ष्यों की कसौटी पर खरा उतरते हुए पूरे देश मे पहला स्थान हासिल किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड तेजी से विकास की राह पर अग्रसर है। एसडीजी के सभी लक्ष्यों को हासिल करने के लिए राज्य सरकार तेजी से कदम बढ़ा रही है।

नीति आयोग ने आज शुक्रवार को 2023–24 की एसडीजी रिपोर्ट जारी की है। रैंकिंग में उत्तराखंड ने सर्वाधिक अंक लेकर पहला स्थान हासिल किया है।

सभी प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रदेश की देवतुल्य जनता के आशीर्वाद और सहयोग से ये उपलब्धि हासिल हुई है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में हमारी डबल इंजन सरकार के विकासोन्मुखी प्रयासों से आज हमारा प्रदेश अग्रणी राज्य बनने की दिशा में आगे बढ़ा है। नीति आयोग द्वारा जारी सतत विकास लक्ष्य (रऊ कठऊए) 2023–2024 की रिपोर्ट में उत्तराखण्ड का शीर्ष स्थान प्राप्त करना इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। राज्य सरकार में कैबिनेट के सहयोगियों, शासन प्रशासन के अधिकारियों को भी बहुत बधाई।

हमारी सरकार इकोलॉजी और इकोनॉमी के समन्वय के साथ श्विकसित उत्तराखण्डश् की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है। राज्य में पारदर्शी व्यवस्था स्थापित करते हुए सर्वस्पर्शी एवं सर्वांगीण विकास करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

स्वाति मालीवाल हमला मामला

सीएम केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली , दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी। उन पर आप की राज्यसभा सदस्य और डीसीडब्ल्यू की पूर्व प्रमुख स्वाति मालीवाल पर हमला करने का आरोप है। न्यायमूर्ति अनूप कुमार मेंदीरत्ता की पीठ ने कहा कि आरोपी दिल्ली के सीएम के निजी सचिव हैं। उनके द्वारा सबूतों से छेड़छाड़ या गवाहों को प्रभावित करने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

इससे पहले 27 मई को यहां की एक अदालत ने बिभव कुमार को जमानत पर रिहा करने से इनकार कर दिया था। बिभव कुमार के वकील ने तर्क दिया कि मालीवाल अपने सहयोगी को बदनाम करने के इरादे से सीएम के आवास पर गई थीं। एफआईआर में तीन दिन की देरी पर सवाल उठाते हुए उन्होंने तर्क दिया कि घटना के समय बिभव कुमार सीएम के आवास पर मौजूद नहीं थे और मालीवाल के पास सीएम से मिलने का कोई अपॉइंटमेंट नहीं था। 13 मई को मालीवाल पर हमले के सिलसिले में बिभव कुमार को 18 मई को गिरफ्तार किया गया था। उन्हें अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उन्हें पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। दिल्ली पुलिस ने मुख्यमंत्री के आवास पर मालीवाल पर हमला करने के आरोप में कुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया।

सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं, केजरीवाल को मिली अंतरिम बेल पर बोली आप

नई दिल्ली ,दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शराब घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा मिली अंतरिम जमानत पर आम आदमी पार्टी के नेता उत्साहित और खुश नजर आ रहे हैं। केजरीवाल को जमानत मिलने पर आप सरकार में मंत्री आतिशी ने प्रेस वार्ता कर बीजेपी पर निशाना साधते हुए कोर्ट के फैसले को सत्य की जीत बताया।

आतिशी ने कहा, बीजेपी को पता था कि उन्हें (अरविंद केजरीवाल) राउज एवेन्यू कोर्ट से जमानत मिल गई है। उन्हें पता है कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट से भी जमानत मिल जाएगी, इसलिए उन्होंने एक और साजिश रची और जिस दिन सुप्रीम कोर्ट में जमानत पर सुनवाई होनी थी, उससे एक दिन पहले सीबीआई से अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करा दिया। उन्हें सीबीआई ने क्यों गिरफ्तार किया? क्योंकि अगर उन्हें ईडी मामले में जमानत मिल गई, तो वे जेल से बाहर आएंगे और दिल्ली के लोगों के लिए 10 गुना तेजी से काम करेंगे। मैं आज बीजेपी को कहना चाहता हूं। इस देश की हर अदालत ने आपकी पोल खोल दी है।

शराब घोटाले में सीएम केजरीवाल को सुप्रीमकोर्ट से अंतरिम जमानत

◆ पर इस वजह से नहीं होगी रिहाई

नई दिल्ली ,शराब घोटाला मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिल गई है। जस्टिस संजीव खन्ना की अगुआई वाली तीन जजों की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। कोर्ट ने इस बात पर फैसला नहीं दिया कि ईडी केस में गिरफ्तारी सही थी या गलत। कोर्ट ने मामले को बड़ी बेंच को भेजने की सिफारिश की है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बावजूद केजरीवाल अभी जेल से बाहर नहीं निकल पाएंगे, क्योंकि उन्हें सीबीआई भी गिरफ्तार कर चुकी है।जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की बेंच ने केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई पूरी करने के बाद 17 मई को आदेश सुरक्षित रख लिया था। केजरीवाल को ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जमानत के सवाल पर विचार नहीं किया गया है, बल्कि पीएमएल की धारा 19 के मानकों पर गौर किया गया है। सेक्शन 19 और सेक्शन 15 में अंतर बताया गया है। कोर्ट ने कहा कि जब तक बड़ी बेंच फैसला नहीं कर लेती है, केजरीवाल को अंतरिम जमानत पर रिहा कर दिया जाए। जज ने फैसला सुनाते हुए यह भी कहा कि केजरीवाल को 90 दिनों से अधिक समय तक जेल में रहना पड़ा है।वित्त वर्ष 2021–22 की शराब नीति में कथित घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की वजह से गिरफ्तार किए गए केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट की इसी बेंच ने लोकसभा चुनाव के बीच 21 दिनों की अंतरिम जमानत दी थी। केजरीवाल ने ईडी की ओर से की गई गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। दोनों पक्षों की ओर से लंबी दलीलें चलीं। सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने शीर्ष अदालत को बताया था कि हवाला चैनलों के जरिए आम आदमी पार्टी (आप) को पैसे भेजे जाने के सबूत हैं। केजरीवाल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने तर्क दिया था कि मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी का बचाव करने के लिए ईडी द्वारा अब जिस सामग्री का हवाला दिया जा रहा है, वह उनकी गिरफ्तारी के दौरान मौजूद नहीं थी।केजरीवाल की ओर से याचिका दायर किए जाने के बाद और सर्वोच्च अदालत से फैसला आने से पहले एक तरफ जहां आम आदमी पार्टी के प्रमुख को सीबीआई भी गिरफ्तार कर चुकी है तो ईडी ने ट्रायल कोर्ट में चार्जशीट दायर कर दी है। ईडी ने चार्जशीट में केजरीवाल को घोटाले का ह्यमुख्य सरगनाह्न और ह्यसाजिशकर्ताह्न बताया है। दिल्ली सरकार और आम आदमी पार्टी आरोपों को खारिज करते हुए दावा करती रही है कि शराब घोटाले का दावा झूठा है और साजिश के तहत दिल्ली के मुख्यमंत्री को फंसाया गया है।

संविधान हत्या दिवस भारत के संविधान को कुचलने की याद दिलाएगा : पीएम मोदी

नई दिल्ली ,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपातकाल को कांग्रेस द्वारा लाया गया काला दौर बताते हुए कहा है कि हर साल 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का निर्णय इस बात की याद दिलाएगा कि जब भारत के संविधान को कुचल दिया गया था, तब क्या हुआ था। उन्होंने इसे आपातकाल की ज्यादतियों के कारण पीड़ित हुए हर व्यक्ति को श्रद्धांजलि देने का भी दिन बताया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाना इस बात की याद दिलाएगा कि क्या हुआ था जब भारत के संविधान को कुचल दिया गया था। यह हर उस व्यक्ति को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है, जो आपातकाल की ज्यादतियों के कारण पीड़ित हुए थे, जो भारतीय इतिहास में कांग्रेस द्वारा लाया गया काला दौर था। इससे पहले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हर साल 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने के निर्णय से जुड़े सरकार के राजपत्र की कॉपी को एक्स पर शेयर करते हुए बताया, 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी तानाशाही मानसिकता को दर्शाते हुए देश में आपातकाल लगाकर भारतीय लोकतंत्र की आत्मा का गला घोंट दिया था। लाखों लोगों को अकारण जेल में डाल दिया गया और मीडिया की आवाज को दबा दिया गया। भारत सरकार ने हर साल 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का निर्णय किया है। यह दिन उन सभी लोगों के विराट योगदान का स्मरण कराएगा, जिन्होंने 1975 के आपातकाल के अमानवीय दर्द को झेला था। शाह ने सरकार के इस फैसले के उद्देश्य की जानकारी देते हुए आगे कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा लिए गए इस निर्णय का उद्देश्य उन लाखों लोगों के संघर्ष का सम्मान करना है, जिन्होंने तानाशाही सरकार की असंख्य यातनाओं व उत्पीडऩ का सामना करने के बावजूद लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए संघर्ष किया। संविधान हत्या दिवस हर भारतीय के अंदर लोकतंत्र की रक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अमर ज्योति को जीवित रखने का काम करेगा, ताकि कांग्रेस जैसी कोई भी तानाशाही मानसिकता भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न कर पाए।

बड़ा हादसा टला: हवा में टकराने से बाल–बाल बचे दो विमान, 159 लोगों की अटकी सांसें

न्यूयॉर्क , न्यूयॉर्क के सिरैक्यूज़ हैनकॉक इंटरनेशनल एयरपोर्ट के ऊपर आसमान में एक बड़ी दुर्घटना होने से टल गई। दो विमान आपस में टकराने से बाल–बाल बच गए। 8 जुलाई को उत्तरी सिरैक्यूज़ पुलिस विभाग की गश्ती कार पर लगे कैमरे में यह भयावह क्षण कैद हो गया। यह वीडियो अब सोशल मीडिया में वायरल है। रिपोर्ट में कहा है कि संघीय उड्डयन प्रशासन ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों विमान कॉमर्सियल विमान कंपनियों के थे। एक फ्लाइट एयरलाइंस 5511 और दूसरी एंडेवर एयर 5421 थी। जारी एक बयान में कहा गया है कि यह घटना 8 जुलाई को सुबह लगभग 11.50 बजे हुई। एटीसी ने एयरलाइंस 5511 को सिरैक्यूज़ हैनकॉक इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक विमान से अलग रहने के लिए निर्देश दिया। वह उसी रनवे से उड़ान भर रहा था।

नेपाल में मौसम का कहर

63 यात्रियों को ले जा रही दो बसें भूस्खलन से नदी में बहीं

काठमांडू , नेपाल में शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा हो गया है। भूस्खलन के कारण दो बसें त्रिशूली नदी में बह गईं। दोनों बसों में लगभग 63 यात्री सवार बताए जा रहे हैं। इस हादसे पर नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल दुख जताया है। चितवन के जिलाधिकारी इंद्रदेव यादव ने बताया कि हम घटना स्थल पर हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। लगातार हो रही बारिश की वजह से रेस्क्यू में बाधा आ रही है। बता दें कि इन दिनों नेपाल में मूसलाधार बारिश हो रही है। पुलिस के अनुसार, काठमांडू जा रही एंजेल बस में 24 और गणपति डीलक्स बस में 41 लोग सवार थे। हालांकि, गणपति डीलक्स में सवार तीन यात्री बस के नदी में बहने से पहले कूदने में सफल रहे। यह हादसा सुबह करीब 3.30 बजे हुआ। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल ने हादसे में दुख जताया है। पीएम ने एक्स पर पोस्ट किया, नारायणगढ़–मुग्लिन सडक़ खंड पर भूस्खलन के कारण दो बसों के नदी बह जाने से लगभग पांच दर्जन यात्रियों के लापता होने की रिपोर्ट, देश के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ और भूस्खलन के कारण संपत्तियों के नुकसान से मैं बहुत दुखी हूं। मैं गृह प्रशासन सहित सरकार की सभी एजेंसियों को यात्रियों की खोज और प्रभावी बचाव के निर्देश देता हूं।

वाल्मीकि निगम घोटाले में एसआईटी का एक्शन

आरोपी की 3.3 करोड़ रुपए की कार जब्त की

कर्नाटक , महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम घोटाले की जांच कर रही एसआईटी हैदराबाद के एक कार डीलर से 3.3 करोड़ रुपये वसूलने की तैयारी में है। एसआईटी इस रकम को इसलिए रिकवर करने की कोशिश में है, क्योंकि यह पैसा महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति निगम का है।

एसआईटी ने 13 जून को हैदराबाद से सत्यनारायण वर्मा (36) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से एक बड़ी रकम जब्त की, जो कथित तौर पर वाल्मीकि निगम की है। पुलिस के अनुसार सत्यनारायण वर्मा पूरे घोटाले में बिचौलिया है। उसकी भूमिका इसमें शामिल लोगों के अलग–अलग खातों में पैसे जमा कराने की थी। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक लेम्बोर्गिनी भी बरामद की है। इस कार को वर्मा ने हैदराबाद में एक डीलर से 3.3 करोड़ रुपये में खरीदी थी। पुलिस ने जांच के बाद कार को डीलर के पास वापस करने और भुगतान की गई राशि को अदालत के खाते में स्थानांतरित करने के लिए कोर्ट का रुख किया है।

पुलिस सूत्रों की मानें तो कोर्ट की अनुमति के बाद डीलर को कार सौंप दी जाएगी और 3.3 करोड़ की राशि वापस ले ली जाएगी। बता दें कि महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम घोटाले की जांच के लिए प्रदेश सरकार ने एसआईटी गठित की है। इस मामले में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की ओर से एफआईआर दर्ज कराई गई। अब इस मामले में एसआईटी, सीबीआई और ईडी जांच कर रही है।

जम्मू–कश्मीर के अखनूर में दिखा संदिग्ध आतंकी

जम्मू ,जम्मू–कश्मीर के अखनूर कस्बे में सेना और पुलिस के जवानों ने संदिग्ध आतंकी की सूचना मिलने के बाद चेकिंग अभियान चलाया। इलाके में सुरक्षा–व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। बताया जा रहा है अखनूर कस्बे में चेनाब नदी के पास स्थित गुडा पाटन गांव में एक संदिग्ध आतंकी को देखे जाने की सेना और पुलिस को सूचना मिली थी। इसके बाद सेना और पुलिस ने गुरुवार देर रात संयुक्त रूप से तलाशी अभियान शुरू किया, जो शुक्रवार सुबह भी जारी रहा। स्थानीय लोगों ने एक संदिग्ध को देखा था। उसकी गतिविधियां संदिग्ध थी, इसके चलते उन्होंने तुरंत पुलिस को शख्स के बारे में पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची सेना और पुलिस ने ऑपरेशन शुरू किया, लेकिन अब तक उसका कुछ पता नहीं चल पाया है।

हिंदू हिंसक नहीं, बल्कि रक्षक है : त्रिवेंद्र सिंह रावत

ऋषिकेश। हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि कांग्रेस एक वर्ग को लुभाने के लिए पूरे देश के हिंदुओं का अपमान करती है। हिंदू हिंसक नहीं, बल्कि रक्षक है। शुक्रवार को भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से भानियावाला में मतदाता अभिनंदन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रावत ने यह बात कही। हरिद्वार सांसद ने मतदाताओं और कार्यकर्ताओं का लोकसभा चुनाव में विजय बनाने पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हम सभी के लिए यह गर्व का विषय है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार बनी है। मोदी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से प्रभावित होकर देश के मतदाताओं ने भाजपा के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया है। कहा कि जनता ने कांग्रेस के संविधान वाले झूठे षड्यंत्र को पूरी तरह से नकार कर लोकसभा चुनाव में करारा जवाब दिया है। डोईवाला विधायक बृजभूषण गैरोला ने कहा कि जनता ने राष्ट्रीय अखंडता व समृद्धि के लिए मतदान किया। देश का विकास प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ही संभव है। यह मतदाता ने अपने मत से साबित कर दिया है।

यह हुए सम्मानित: कार्यक्रम में सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने बूथ अध्यक्षों और शक्ति केंद्र संयोजको को सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में नीलम नेगी, समीर फरासी, कोमल देवी, रीता नेगी, जगदीश प्रसाद गैरोला, प्रकाश कोठारी, पंकज शर्मा, हृदय राम डोभाल, अवतार सिंह सैनी, राममूर्ति ताई, अमित कुमार, आदेश पवार, मनोज शर्मा, जीवन चौहान, नवीन चौधरी, विक्रम भंडारी, सुंदरलाल, गीतांजलि रावत, सुमेधा देवी, रेखा देवी, राजकुमार राज, चंद्रभान पाल, कुसुम शर्मा, पंकज रावत, रश्मि देवी, हरविंदर सिंह, परमिंदर सिंह बाऊ, अजीत सिंह, संतोष देवी, शिव प्रसाद सती, शकुंतला देवी, पिंकी देवी, सीमा घरती, सतीश रावत, राहुल पवार, रणवीर सिंह रावत, भगवान सिंह पवार, जितेंद्र सिंह रैना, भाग्यश्री, शिवप्रसाद भंडारी, सीमा देवी, रेखा देवी, राहुल कुमार आदि शामिल रहे।

संपादकीय

डेंगू की दस्तक और सरकारी प्रबंध

मानसून की शुरुआत के साथी प्रदेश भर में अब डेंगू का असर बढ़ाने की संभावना भी नजर आने लगी है। प्रत्येक मानसून के दौरान खासतौर से मैदानी क्षेत्रों में डेंगू अपना असर दिखाता है लेकिन स्वास्थ्य महकमा इस दिशा में मात्र चंद औपचारिकताएं निभाने के और कुछ नहीं करता। इस बार भी डेंगू की संभावनाओं को देखते हुए जनपद स्तर पर डेंगू से बचाव और रोकथाम को लेकर बैठकों का दौर शुरू हो गया है लेकिन धरातल पर डेंगू उन्मूलन का कोई कार्य फिलहाल नजर नहीं आ रहा है। डेंगू के असर से प्रदेश के लोग अनभिज्ञ नहीं है और इस बात से भी नहीं कि डेंगू का प्रकोप बढ़ने पर किस प्रकार से पूरे प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं ताश के पत्तों की तरह रह जाती हैं। पिछले कुछ वर्षों में डेंगू के उपचार को लेकर सरकारी व्यवस्थाएं कसौटियों पर खड़ी नहीं उतरी हैं। खास तौर से डेंगू की जांच और उसकी रिपोर्ट ने मरीजों को काफी रुलाया है जबकि डेंगू के इलाज में निजी अस्पतालों ने जमकर चांदी काटी। प्रदेश का स्वास्थ्य महकमा कहीं ना कहीं संक्रमित एवं फैलने वाली बीमारियों के बाद पैदा होने वाली स्थिति को नियंत्रण करने में हांफता हुआ नजर आता है। पिछले वर्षों के अनुभव बताते हैं कि डेंगू के लिए गए रक्त के नमूने की जांच लंबी प्रतीक्षा करती है तो कई लोगों की रिपोर्ट तब आई जब मरीज दुनिया छोड़कर चले गए। डेंगू में सरकारी व्यवस्थाओं के तहत प्लेटलेट्स की उपलब्धता भी एक बड़ी समस्या है और इसके लिए मरीज को अक्सर निजी रक्त बैंक एवं लूट खसोट करने वाले निजी अस्पतालों का शिकार बनते हुए देखा गया है। डेंगू का असर मौसम के साथ प्रभावित होता चला जाएगा लेकिन इससे पूर्व यदि उत्तराखंड स्वास्थ्य विभाग अपनी तैयारी को लेकर सजग नहीं हुआ तो फिर जो परिस्थितियों पैदा होगी वह मुश्किल हो जाएंगी। हालांकि प्रारंभिक तौर पर जनपदों के अस्पतालों में डेंगू की संभावनाओं को देखते हुए बेड बढ़ाने की तैयारी की जा रही है तो वही सबसे महत्वपूर्ण होगा कि डेंगू की जांच को लेकर तीव्रता से कार्य किया जाए ताकि मरीज को तत्काल रिपोर्ट उपलब्ध हो सके। रक्त बैंक में रक्त एवं प्लेटलेट्स की व्यवस्था को चाक चौबंद रखने के लिए बुनियादी तौर पर मजबूत बनान होगा, साथ ही रक्तदाताओं का डाटा बैंक भी विभाग के पास होना चाहिए ताकि आपातकालीन स्थिति के दौरान स्वयंसेवियों की मदद ली जा सके। मात्र प्रदर्शन के लिए गिनती की कॉलोनी एवं मोहल्ले में जाकर लारवा नष्ट करने से कुछ होने वाला नहीं है बल्कि इसके लिए जन सहभागिता एवं विभाग के अधिक से अधिक कर्मचारियों को धरातल पर उतरना होगा। डेंगू पर रोकथाम या नियंत्रण रखने के लिए आम जनमानस को भी सरकारी व्यवस्थाओं के साथ-साथ अपने आसपास ऐसी कोई स्थिति पैदा नहीं होने देनी चाहिए जो डेंगू के लार्वा को पनपना के लिए सहायक साबित होते हो।

जनता के मूड में अचानक बदलाव सारा विश्व चकित

फ्रांस का संविधान राष्ट्रपति को अधिकार देता है कि वे जिसे चाहें उसे प्रधानमंत्री नियुक्त कर सकते हैं। लेकिन व्यवहार में राष्ट्रपति हमेशा ऐसे व्यक्ति को प्रधानमंत्री नियुक्त करते हैं जो संसद को स्वीकार्य हो। कारण यह कि संसद कभी भी सरकार को इस्तीफा देने के लिए बाध्य कर सकती है। लेकिन जब किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत हासिल न हुआ हो और गठबंधन सरकार बनाई जानी हो तब चीजें कितनी मुश्किल और पेचीदा हो जाती हैं, हम भारतीय यह अच्छी तरह से जानते हैं! इसके अलावा, इतिहास गवाह है कि फ्रांस को फोर्थ रिपब्लिक के उथल पुथल भरे दौर के बाद से अलग अलग विचारधारा वाले कई दलों के गठबंधनों की सरकार चलाने का कोई अनुभव नहीं रहा है। चुनाव के नतीजों के पहले यह गठबंधन प्रधानमंत्री पद के लिए किसी एक नाम पर सहमति नहीं बना सका। इसलिए गठबंधन के चारों दलों– मिनोशों के अनसबमिसिव फ्रांस, सोशलिस्ट, कम्युनिस्ट और ग्रीन्स– के बीच काफी खींचतान होने की संभावना है। नई संसद में जो सोशलिस्ट सदस्य बैठेंगे, उनमें पूर्व राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद भी होंगे, जो एक समय मैक्रों के बॉस थे। आने वाले दिनों में– और इस दौरान पेरिस में ओलंपिक खेल भी होने हैं– फ्रांस राजनीतिक उथल पुथल में उलझा रहेगा।

श्रुति व्यास

केवल एक हफ्ते में फ्रांस में जनमत का पेंडुलम अति दक्षिणपंथ से वामपंथ की ओर खिसक गया है। यह बदलाव चौंकाने वाला और अनापेक्षित है। संसदीय चुनाव का अंतिम दौर रविवार को खत्म हुआ और ऐसा लगता है कि जोनिक मिनोशों के वर्चस्व वाला वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट यानी एनएफपी संसद में सबसे बड़ा गठबंधन बनने की ओर बढ़ रहा है। फ्रांस, यूरोप और सारा विश्व, जनता के मूड में आए इस अचानक बदलाव से चकित है। पिछले हफ्ते तक यह तय माना जा रहा था कि मरिन ले पेन सत्ता हासिल कर लेंगी। जनमत संग्रहों से ऐसा अनुमान लगाया जा रहा था कि उनकी अति दक्षिणपंथी नेशनल रैली और उसके सहयोगी दलों को सबसे ज्यादा वोट मिलेंगे। लेकिन अब यह साफ है कि वे संसद में तीसरा सबसे बड़ा गठबंधन ही बन पाएंगी। किस्मत उन पर मेहरबान नहीं है।

राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जिन्होंने पिछले महीने देश में मध्यावधि चुनाव की घोषणा करके खलबली मचा दी थी, के मध्यमार्गी गठबंधन के 150 सीटों के साथ दूसरे नंबर पर रहने का अनुमान लगाया गया है। लेकिन एनएफपी फिर भी बहुमत के लिए जरूरी 289 सीटों से बहुत पीछे रह जाएगा। पिछले हफ्ते ल पेन की नेशनल रैली के अच्छी-खासी बढ़त हासिल कर लेने के बाद, मध्यमार्गियों एवं वामपंथियों ने हाथ मिला लिया और मतदान के दूसरे दौर में नेशनल रैली का मुकाबला करने के लिए 'रिपब्लिकन फ्रंट' बना लिया। पूरे देश में त्रिकोणीय मुकाबले वाली सीटों पर उम्मीदवार मैदान से हट गए और उन्होंने ल पेन के दल के विरूद्ध अन्य सभी दलों को मिलकर लडने् का आह्वान किया। यह रणनीति सफल रही। ल पेन के सत्ता में आने पर जो उथल पुथल होती, वह तो टल गई है लेकिन देश में राजनीतिक अनिश्चितता के हालात बन गए हैं। मतदान की रात वामपंथी नेता जोनिक मिनोशों, जो आकर्षक व्यक्तित्व के धनी हैं मगर अपने अतिवाद के कारण वामपंथी गठबंधन के खिलाफ ध्रुवीकरण का कारण भी बन जाते हैं, ने जीत की घोषणा की। उन्होंने मैक्रों से कहा कि वे एनएफपी को सरकार बनाने का प्रयास करने के लिए आमंत्रित करें और उनके गठबंधन के किसी नेता को प्रधानमंत्री नियुक्त करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि चुनावों के दौरान आमूलचूल बदलाव की जिन योजनाओं की घोषणा की गई थी, उन पर अमल किया जाएगा।

फ्रांस का संविधान राष्ट्रपति को अधिकार देता है कि वे जिसे चाहें उसे प्रधानमंत्री नियुक्त कर सकते हैं। लेकिन व्यवहार में राष्ट्रपति हमेशा ऐसे व्यक्ति को प्रधानमंत्री नियुक्त करते हैं जो संसद को स्वीकार्य हो। कारण यह कि संसद कभी भी सरकार को इस्तीफा देने के लिए बाध्य कर सकती है।लेकिन जब किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत हासिल न हुआ हो और गठबंधन सरकार बनाई जानी हो तब चीजें कितनी मुश्किल और पेचीदा हो जाती हैं, हम भारतीय यह अच्छी तरह से जानते हैं ! इसके अलावा, इतिहास गवाह है कि फ्रांस को फोर्थ रिपब्लिक के उथल पुथल भरे दौर के बाद से अलग अलग विचारधारा वाले कई दलों के गठबंधनों की सरकार चलाने का कोई अनुभव नहीं रहा है। चुनाव के नतीजों के पहले यह गठबंधन प्रधानमंत्री पद के लिए किसी एक नाम पर सहमति नहीं बना सका। इसलिए गठबंधन के चारों दलों– मिनोशों के अनसबमिसिव फ्रांस, सोशलिस्ट, कम्युनिस्ट और ग्रीन्स– के बीच काफी खींचतान होने की संभावना है। नई संसद में जो सोशलिस्ट सदस्य बैठेंगे, उनमें पूर्व राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद भी होंगे, जो एक समय मैक्रों के बॉस थे। आने वाले दिनों में– और इस दौरान पेरिस में ओलंपिक खेल भी होने हैं– फ्रांस राजनीतिक उथल पुथल में उलझा रहेगा।

लेकिन अच्छी खबर तो यह है कि एक बार फिर फ्रांसीसियों के बड़े तबके ने मरिन ल पेन और उनके अति दक्षिणपंथी 'विजन ऑफ चेंज' को खारिज कर दिया है। पार्टी की अपने आप को 'रीब्रांड' करने की तमाम कोशिशों के बाद भी यह साफ था कि उसकी सरकार फ्रांस की राष्ट्रीय पहचान कायम रखने के नाम पर देश में रह रहे आप्रवासियों और नए आप्रवासियों के फ्रांस में आने के प्रति अत्यंत कठोर रवैया अपनाएगी।

फ्रांस ने ल पेन को खारिज तो किया है मगर बदलाव के पक्ष में बढ़ चढक़र वोट दिया है। लोग अब यथास्थिति बनाए रखने के पक्ष में नहीं हैं। जनता ने उन कुबेरपतियों, जिनसे मैक्रों घिरे हुए हैं, को साफ संदेश दे दिया है। वैसे भी मैक्रों को 2027 में राष्ट्रपति पद छोडऩा ही होगा क्योंकि वे अधिकतम कार्यकाल की सीमा पार कर लेंगे।

न्यू पॉपुलर फ्रंट को मतदान के पहले दौर में युवा वर्ग का जबरदस्त समर्थन मिला। और पेरिस अन्य शहरों के आसपास के उन इलाकों में भी, जहां उत्तर अफ्रीकी आप्रवासियों की बड़ी आबादी है। इन इलाकों में जोनिक मिनोशों के फिलस्तीन समर्थक रवैए को हाथों हाथ लिया गया। हालांकि जब यह यहूदी विरोध की हद तक पहुंचता नजर आया, तो इसके प्रति नाराजगी भी उत्पन्न हुई।फ्रांस के नतीजों से साफ है कि देश दो बराबर भागों में बंटा हुआ है। मैक्रों इन हालातों का सामना कैसे करेंगे, यह देखना दिलचस्प होगा। मैक्रों ने यह कभी नहीं छुपाया है कि वे मिनोशों को बिलकुल पसंद नहीं करते और मिनोशों भी मैक्रों को उतना ही नापसंद करते हैं।

नई संसद में जो तीन गठबंधन मौजूद होंगे, वे सब एक दूसरे के घोषित विरोधी हैं और एक दूसरे पर बिलकुल भरोसा नहीं करते। प्राप्त समाचारों के अनुसार मैक्रों, 33 वर्षीय वर्तमान प्रधानमंत्री गेब्रियल अटल, जिन्होंने कहा है कि वे सोमवार को राष्ट्रपति से अपने इस्तीफे की पेशकश करेंगे, को कामचलाऊ प्रधानमंत्री के रूप में काम करते रहने के लिए कह सकते हैं। और शायद यह कामचलाऊ सरकार 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों के खत्म होने तक ही नहीं, बल्कि गर्मियों के अंत तक भी सत्ता संभाल सकती है।

फिलहाल तो फ्रांस गर्त में जाने से बच गया है। मगर आगे क्या होगा, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। भविष्य में उसे ऐसे हालात का सामना करना पड़ सकता, जिनका उसे कोई अनुभव नहीं है।

असरदार कदम उठाए जाएं

भारत डोगरा

लोकतंत्र को सशक्त करने के लिए और भ्रष्टाचार को मिटाने के लिए पारदर्शी कार्यपण्रालियों, निर्णय प्रक्रिआओं और शासन पद्धतियों के महत्त्व को निरंतर बढ़ती मान्यता मिल रही है।

ग्रामीण विकास के विभिन्न आयामों के संदर्भ में पारदर्शिता अपनाने से योजनाओं व कार्यक्रमों में आम गांववासियों की भागेदारी बढ़ेगी और उपलब्ध बजट का लाभ उन लोगों तक पहुंचने की संभावना बढ़ेगी जो उसके वास्तविक हकदार हैं। इतना ही नहीं, पारदर्शिता अपनाने से गलतियों के बारे में आरंभिक स्थिति में ही पता चल जाएगा जिससे अधिक क्षति हुए बिना ही उन्हें सुधारा जा सकेगा।

कल्पना कीजिए, किसी प्रखंड के आदिवासी परिवारों की जिन्हें सदा हाशिये पर ही रखा गया है, वे भीषण अभाव व गरीबी सहने को मजबूर हैं। इस स्थिति में सरकार उनके बहुपक्षीय लाभ की एक योजना बनाती है व इसके लिए पर्याप्त बजट की व्यवस्था की जाती है। पर यह योजना जब ब्लॉक मुख्यालय तक पहुंचती है तो पारदर्शिता के अभाव में इसकी कोई जानकारी आदिवासी परिवारों को नहीं मिलती है। जब उन्हें नई योजना की जानकारी ही नहीं है तो इसकेउ चित क्रिान्वन के लिए भला आवाज क्या उठाएंगे। यह स्थिति उन निहित स्वाथरे के लिए अनुकूल है जो पहले से कमजोर लोगों के हक हड़पते रहे हैं। वे इस नई योजना के बजट का उपयोग भी उस तरह करते हैं कि अधिक लाभ उन्हीं को मिले। आदिवासी परिवारों से उधार के कागजों पर हस्ताक्षर करवा कर उन्हें थोड़ा बहुत धन अहसान की तरह दे दिया जाता है पर योजना का वास्तविक लाभ तो निहित स्वार्थ ही उठाते हैं। दूसरी ओर पारदर्शिता पर आधारित व्यवस्था में किसी भी योजना या कार्यक्रम की उपलब्ध जानकारी लाभार्थियों व अन्य प्रभावित लोगों तक पहुंचाना अनिवार्य होता है। इस स्थिति में लाभार्थी आरंभिक दौर से ही सचेत हो जाते हैं कि उनके लिए जो बजट आया है, उसका पर्याप्त लाभ उन्हें मिलना चाहिए।ग्राम सभा को सशक्त करना बहुत जरूरी है। सबसे पहला कदम तो यह सुनिश्चित होना चाहिए कि ग्राम सभा व वार्ड सभा की नियमित बैठकें हों तथा आम लोगों के विचार इस मामले में खुलकर सामने आएं कि विकास की प्राथमिकताएं क्या हैं। इस विचार-विमर्श में कमजोर वर्ग के परिवारों और महिलाओं को अपनी बात कहने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। लोगों की इन प्राथमिकताओं के आधार पर ही गांव के विकास कायरे का नियोजन होना चाहिए। जो भी योजना, कार्यक्रम या विकास कार्य हो उसे सभी गांववासियों के सामने ग्राम सभा में रखना चाहिए। विकास कार्य हो या राहत कार्य, कार्य स्थल पर उसके बजट, खरीदे गए साज-सामान, मजदूरों की संख्या, मजदूरी आदि की जानकारी प्रदर्शित की जानी चाहिए। साथ ही, अन्य सूचना प्राप्त करने का अधिकार भी उपलब्ध होना चाहिए। संविधान के 73वें संशोधन के अनुसार देश भर में जिला, ब्लॉक, पंचायत एवं गांव स्तर पर पंचायती राज का गठन हुआ है, और इन विभिन्न स्तरों पर जनप्रतिनिधि निर्वाचित हो रहे हैं। ग्रामीण विकास के बजट का बढ़ता हिस्सा ग्राम पंचायतों के माध्यम से खर्च होने लगा है।

पंचायतों के पास विकास कायरे का जो बजट पहुंच रहा है, उसमें कुछ न कुछ वृद्धि प्रायः हो रही है। भविष्य में पंचायतों के माध्यम से खर्च होने वाले विकास के बजट के प्रतिशत को बढऩा चाहिए और उसके लिए कई प्रयास भी हो रहे हैं। पर इसके साथ इस विषय पर भी समुचित ध्यान देना अति आवश्यक है कि किसी भी पंचायत के लिए स्वीकृत बजट का उपयोग ठीक से हो,उसमें कोई घपलेबाजी न हो। यदि पंचायत स्तर पर भी भ्रष्टाचार छा गया तो सामान्य लोगों को इस पंचायती राज के पूरे प्रयोग से ही बहुत निराशा हो जाएगी और पंचायतों को विकास कायरे में जिस जन-भागीदारी की आवश्यकता है, वह उन्हें नहीं मिल सकेगी।

अतः जहां पंचायतों के अधिकार क्षेत्र व कार्यक्षेत्र को बढ़ाने का प्रयास अवश्य होना चाहिए, वहां यह भी उतना ही आवश्यक है कि पंचायतों को गांववासियों के प्रति इस बारे में जवाबदेह बनाया जाए कि गांव के विकास के लिए जो पैसा आया था वह ठीक से खर्च हुआ कि नहीं। इस तरह के कानून और नियम बनने चाहिए जिससे विकास का बजट ठीक से, ईमानदारी से खर्च होने की संभावना बढ़ जाए तथा जहां भ्रष्टाचार की नीयत है, वहां इस पर अंकुश लग जाए। जहां भ्रष्टाचार का जरा भी शक हो, वहां ऐसे नियमों व कानूनों का लाभ उठाकर गांववासी भ्रष्टाचार को पकडऩे व इस पर रोक लगाने के लिए सक्रिय हो सकें।

महिलाओं को आरक्षण देने का विरोध

चार जून के बाद मोदी आपकी शक्ति को महाशक्ति बना कर रहेगा। विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया की मानसिकता को महिला विरोधी करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनारस में यह बात कही। प्रधानमंत्री नारी शक्ति संवाद कार्यक्रम में पच्चीस हजार महिलाओं से सीधा संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दस साल की सरकार के निर्णय से पहली बार आज माताएं और बहनें केंद्र में आई हैं। उन्हें योजनाएं बनाने में केंद्रीय भूमिका में रखा जा रहा है, और उनके उन्नयन के लिए योजनाएं बनाने पर बल दिया जा रहा है। यह भारत की सक्सेस स्टोरी का बहुत बड़ा फैक्टर है। उन्होंने अपनी पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकलाप का जिक्रकरते हुए कहा कि कांग्रेस और सपा सरकारों ने महिलाओं की उपेक्षा की। उन्होंने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब घर आपके बिना नहीं चलता तो देश आपके बगैर कैसे चल जाता। विपक्षी दलों की मानसिकता को महिला विरोधी ठहराते हुए मोदी ने कहा कि वे महिलाओं को आरक्षण देने का विरोध करते हैं।

सपा वाले बेशर्मी से कहते थे, लडक़े हैं लडक़ों से गलती हो जाती है लेकिन आज सपा के लडक़े गलती करके दिखाएं। मगर वे जिस वक्त ये दावे कर रहे थे, उसी वक्त राजस्थान के करौली जिले की मूक-बधिर आदिवासी नाबालिग ने जयपुर में दम तोड़ दिया। दस साल की मासूम बच्ची बलात्कार करके जिन्दा जलाई गई थी। दस दिन तक जिन्दगी और मौत के बीच झूलते हुए उसने दम तोड़ दिया। मोदी बिहार के चंपारण और महाराजगंज की चुनावी रैलियों में अंबेडकर और आरक्षण की बात कर अपनी सरकार की पीठ थपथपाते रहे। मगर प्रशासन या सरकार की तरफ से इस बच्ची की कोई सुध नहीं ली गई।

महिलाओं के शक्तिशाली होने की बातें बनाने से अब काम नहीं चलने वाला। उन्हें सुरक्षा चाहिए। यह सच है कि लडक़ों की गलतियों को नजरंदाज करने वालों की पार्टी के राज में महिलाएं असुरक्षित थीं। मगर अब जब सुशासन की बात की जा रही है, मासूम मूक-बधिर बच्ची के साथ हुई हैवानियत भाजपा के राज में हुई। निःसंदेह कानून अपना काम करेगा। मगर कानून बनाने वालों को भी चेतना होगा। उन्हें आरक्षण देने या लेने वालों को यह सबक भी सिखाने होंगे कि संविधान की नजर में महिलाओं का स्थान बराबरी का है। वे असल महाशक्ति तभी बन सकती हैं, जब उनकी निजता, आजादी और अस्मिता पर आंच न आने दी जाए। कमोबेश अपने यहां चुनावी भाषणों में इसकी कोई चर्चा नहीं होती।

कल्कि ने 14वें दिन सनी की गदर 2 को चटाई धूल, अब शाहरुख की पठान का तोड़ेगी रिकॉर्ड!

कल्कि 2898 एडी ने सही मायनों में बॉक्स ऑफिस का सूखा खत्म कर दिया है. इस फिल्म की रिलीज के बाद से ही सिनेमाघरों ऑडियंस से गुलजार हैं और टिकट काउंटर भी ताबड़तोड़ नोट बटोरने में बिजी है. फिल्म की ओपनिंग काफी धुआंधार रही थी और इसके बाद इसने पहले हफ्ते में जबरदस्त कमाई की. वहीं अब ये फिल्म रिलीज के दूसरे हफ्ते में भी खूब नोट छाप रही है. चलिए यहां जानते हैं कल्कि 2898 एडी ने 14वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को कितना कलेक्शन किया है? बॉक्स ऑफिस पर कल्कि 2898 एडी का जलजला आया हुआ है. इस फिल्म का जादू दर्शकों के सिर चढ़ा हुआ है और इसे देखने के लिए ऑडियंस सिनेमाघरों में खींची चली आ रही है. दरअसल फिल्म की कहानी के साथ स्टारकास्ट इतनी दमदार है कि हर कोई इसकी चर्चा कर रहा है. ऐसे में पॉजिटव वर्ड ऑफ माउथ का पूरा फायदा कल्कि को मिला है. फिल्म साल 2024 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है और कई फिल्मों के रिकॉर्ड भी ब्रेक कर चुकी है. हालांकि रिलीज के दूसरे हफ्ते में अब फिल्म के कारोबार में गिरावट भी दर्ज की जा रही है बावजूद इसके ये अच्छा खासा कलेक्शन कर रही है. ह्यकल्कि 2898 एडीह्न की कमाई की बात करें तो इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 95.3 करोड़ कमाए थे और इसकी पहले हफ्ते की कमाई 414.85 करोड़ रही. वहीं रिलीज के दूसरे हफ्ते के सेकंड फ्राइडे कल्कि 2898 एडी ने 16.7 करोड़ का कलेक्शन किया.

दूसरे शनिवार फिल्म ने 34.15 करोड़ कमाए वहीं दूसरे रविवार फिल्म का कलेक्शन 44.35 करोड़ रुपये रहा. इसके बाद दूसरे मंडे फिल्म ने 10.4 करोड़ की कमाई की. वहीं अब ह्यकल्कि 2898 एडीह्न की रिलीज के 13वें दिन यानी दूसरे मंगलवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के 13वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को 9 करोड़ की कमाई की है.

श्रीलंका के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज का शेड्यूल आया सामने

नई दिल्ली , भारत और श्रीलंका के बीच इस महीने के अंत में होने वाली टी 20 और एकदिवसीय श्रृंखला का कार्यक्रम घोषित हो गया है। श्रीलंका दौरे का आगाज़ टी 20 श्रृंखला के साथ होगा जबकि एकदिवसीय श्रृंखला की शुरुआत 1 अगस्त से होगी। श्रीलंका दौरे पर भारत को तीन तीन मैचों की टी 20 और एकदिवसीय श्रृंखला खेलनी है।भारत 26 और 27 जुलाई को लगातार दो दिन श्रीलंका के खिलाफ़ टी20 मैच खेलेगा जबकि इस श्रृंखला का अंतिम मैच 29 जुलाई को खेला जाएगा। वही एकदिवसीय श्रृंखला के अन्य दो मैच 4 और 7 अगस्त को खेले जाएंगे।टी20 श्रृंखला के तीनों मैच पल्लेकेले और तीनों एकदिवसीय मैच कोलंबो में खेले जाएंगे। गौतम गंभीर के लिए यह बतौर भारतीय कोच पहला दौरा भी होगा। मंगलवार शाम को भारतीय टीम के नए मुख्य कोच के पद के लिए गंभीर के नाम का ऐलान हुआ था। राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त होने के बाद से ही गंभीर का नाम अगले मुख्य कोच की दौड़ में सबसे आगे चल रहा था। गंभीर को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग का अनुभव नही है लेकिन आईपीएल में उनके मेंटॉर रहते हुए लखनऊसुपर जायंट्स ने लगातार दो बार अंतिम चार में प्रवेश किया जबकि बीते सीजन् ही कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपने आईपीएल इतिहास की तीसरी ट्रॉफ़ी अपने नाम की।

पाकिस्तान का कोच अब बनेगा टीम इंडिया का बॉलिंग कोच?

नई दिल्ली ,टीम इंडिया के नए कोच गौतम गंभीर होंगे, लेकिन सपोर्टिंग स्टाफ का ऐलान होना अभी बाकी है। इसी बीच टीम इंडिया का नया गेंदबाजी कोच बनने की दौर में एक नया नाम सामने आ रहा है, जिसके ताड़ पाकिस्तान क्रिकेट टीम से भी जुड़े हुए हैं।दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्केल भारत के गेंदबाजी कोच बनने की दौड़ में हैं। इस अफ्रीकी पूर्व तेज गेंदबाज को कोचिंग का अच्छा अनुभव है। वह भारतीय टीम के नए मुख्य कोच गौतम गंभीर की नजर में हैं।

मोर्ने मोर्केल पिछले साल भारत में हुए वनडे विश्व कप के दौरान पाकिस्तान टीम के कोच थे, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ उनका अनुबंध समाप्त होने से कुछ महीने पहले उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। माना जा रहा है कि गंभीर ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से गेंदबाजी कोच के पद के लिए मोर्ने मोर्केल पर विचार करने का अनुरोध किया है, जिन्होंने 2006 से 2018 के बीच 86 टेस्ट, 117 वनडे और 44 टी20 मैच खेले हैं। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी के साथ इस मुद्दे को लेकर कुछ चर्चा हुई है, जो अब ऑस्ट्रेलिया में बस गए हैं। गंभीर और मोर्ने मोर्केल आईपीएल में भी एक साथ काम कर चुके हैं। दोनों के बीच लखनऊ सुपर जायंट्स आईपीएल टीम में अच्छे रिश्ते रहे हैं, जहां गंभीर ने दो साल तक मेंटॉर के तौर पर काम किया। गंभीर के कोलकाता नाइट राइडर्स में शामिल होने और हेड कोच एंडी फ्लावर के रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में चले जाने के बाद मोर्ने मोर्केल नए हेड कोच जस्टिन लैंगर के तहत इसी टीम में शामिल रहे।मोर्ने मोर्केल ने अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल दोनों ही क्षेत्रों में एक शानदार कोच की भूमिका निभाई है।

नेटफ्लिक्स की आगामी सीरीज सीए टॉपर का ट्रेलर हुआ रिलीज, 18 जुलाई को होगा प्रीमियर

इन दिनों वेब सीरीज का लोगों में काफी क्रेज है। पंचायत और मिर्जापुर जैसी सीरीज के लिए लोगों में दीवानगी को देखते हुए मेकर्स नए-नए कॉन्सेप्ट के साथ दर्शकों के बीच आ रहे हैं, जो फैंस को पसंद भी आ रहा है।अमेजन प्राइम वीडियो की वेब सीरीज मिर्जापुर-3 कुछ दिनों पहले ही स्ट्रीम हुई है, जिसमें गुड्डू पंडित से लेकर कालीन भैया फिर से एक बार मार-काट करते हुए दिखाई दिए।अब इस क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज के क्रिएटर (राइटर) एक ब्रांड न्यू कहानी लेकर आ रहे हैं, जो दर्शकों को थोड़ा गुदगुदाएगी, लेकिन साथ ही एक सीए टॉपर को मजबूरी में क्या-क्या काम करना पड़ता है, उसकी कहानी भी उजागर करेगी। उनकी इस वेब सीरीज का टाइटल त्रिभुवन मिश्रा सीए टॉपर है, जिसका हाल ही में ट्रेलर रिलीज हुआ है। चार्टेड अकाउंटिंग में टॉप करने के बाद भी अपने जीवन में किसी तरह से एक कॉमन मैन को संघर्ष करना पड़ता है, उस कहानी को दर्शाता है त्रिभुवन मिश्रा, इस किरदार को सीरीज में मानव कौल ने निभाया है। इस ट्रेलर की शुरुआत होती है सीए टॉपर से, जो एक महिला को सर्विसेस (प्राइवेट) देता है।दुनिया के सामने त्रिभुवन काफी भोला है, जो ऑफिस में एकदम आईडियल कर्मचारी है, लेकिन अपनी मजबूरी को देखते हुए वह गलत राह पर निकल जाता है, जहां वो महिलाओं की जरूरतों को पूरा करता है। जब डॉन को ये बात पता चलती है कि उसकी पत्नी का अफेयर किसी सीए टॉपर के साथ है, तो वह उसे मारने के लिए अपने गैंग के साथ निकल जाता है और एक कॉमन मैन की जिंदगी में इसके बाद क्या-क्या तूफान आता है, यही कहानी इस छोटे से ट्रेलर में दिखाई गयी है। त्रिभुवन मिश्रा सीए टॉपर वेब सीरीज में आपको कॉमेडी से लेकर फिर वैसी ही गूंज सुनाई देगी, जिससे आपको मिर्जापुर की यादें ताजा हो जाएंगी।

किल ने पांच दिनों में कर ली 8.75 करोड़ की कमाई

प्रभास, दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन की कल्कि 2898एडी से टक्कर लेने बॉक्स ऑफिस पर 5 जुलाई को लक्ष्य और राघव जुयाल की किल रिलीज हुई थी, जिसके रिव्यू ने फैंस का ध्यान खींचा था. वहीं ऑडियंस रिव्यू के अलावा ओपनिंग डे कलेक्शन को देखकर भी फिल्म के हिट होने की बात कही जाने लगी थी. लेकिन अब किल के पांच दिनों का कलेक्शन सामने आ गया है, जो जरुर लोगों को तारीफ करने पर मजबूर कर देगा. आइए आपको बताते हैं पांच दिनों में किल की कमाई. बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के शुरूआती आंकड़ों के अनुसार, भारत में किल ने 8.75 करोड़ की कमाई हासिल कर ली है.

गंभीर टीम इंडिया के लिए परफेक्ट कोच लेकिन दूर करनी होगी ये खामियां

नई दिल्ली ,राहुल द्रविड़ के बाद टीम इंडिया के मुख्य कोच की जिम्मेदारी गौतम गंभीर को दी गई है। इसी महीने श्रीलंका दौरे पर वो टीम के साथ जुड़ेंगे और अपना मुख्य कोच का चार्ज संभालेंगे। लेकिन, क्या बिना किसी अनुभव के सीधे कोच की भूमिका में आने वाले गंभीर अपनी जिम्मेदारी निभाने में सफल होंगे? एक खिलाड़ी या कप्तान के तौर आपका अग्रेसिव नेचर आपको सफल कर सकता है, लेकिन जब भूमिका कोच की हो तो आपको अग्रेसिव नेचर नहीं बल्कि शांत और सटीक निर्णय लेने होंगे। अब डर यही है कि कहीं गौतम गंभीर की सबसे बड़ी ताकत टीम की कमजोरी न बन जाए।गंभीर कई बार अपनी बल्लेबाजी के बल पर टीम इंडिया को जीत दिला चुके हैं। वह सफल क्रिकेट खिलाड़ी रह चुके हैं। उनके पास खेल की गहरी समझ है। किसी भी टूर्नामेंट को कैसे जीतना है, यह गंभीर को आता है, मुश्किल परिस्थिति से निपटने में गंभीर कई बार सफल हुए हैं। वह नॉकआउट मैच के दबाव से निपटना जानते हैं।

बतौर खिलाड़ी विश्व कप जीतने वाले गंभीर ने आईपीएल के मंच पर कुल तीन ट्रॉफी जीती है, जिसमें दो बार वो कप्तान थे और एक बार मेंटॉर की भूमिका निभा चुके हैं। इन्हीं सब बातों को देखकर बीसीसीआई ने उन्हें मुख्य कोच चुनने का फैसला किया।मगर, दमदार लीडरशिप क्षमता के लिए मशहूर गौतम गंभीर अपने अग्रेसिव नेचर के लिए थोड़े बदनाम भी हैं। खेल के मैदान पर हमने उन्हें कई बार अन्य खिलाडिय़ों से भिड़ते हुए देखा है।

हालांकि, इसमें कुछ गलत भी नहीं है एक खिलाड़ी जब मैदान पर अपना बेस्ट देने की कोशिश करता है, तो उसका अग्रेसिव नेचर कभी-कभी थोड़ा ज्यादा झलक जाता है। मगर, जब यही भूमिका टीम के सपोर्टिंग स्टाफ में तब्दील हो जाती है, तो शांत रवैया अपनाना होता है।

चाहे आईपीएल टीम टीम लखनऊ हो या 2024 में केकेआर, गंभीर बतौर मेंटॉर भी अपने पुराने अंदाज में नजर आए। आईपीएल ऑक्शन में बिल्कुल शांत नजर आने वाले गंभीर डगआउट में बेहद आक्रमक नजर आते हैं। हर गेंद, हर शॉट पर उनका रिएक्शन आता है। आरसीबी और लखनऊका मुकाबला तो आप लोगों को याद ही होगा, जब विराट कोहली और नवीन उल हक का मुद्दा उठाकर गंभीर ने बीच मैदान बखेड़ा कर दिया था।

एक नजर

कांसखेत, बांजखाल क्षेत्र में पेयजल किल्लत

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : कल्जीखाल ब्लॉक की गिदरासू-कल्जीखाल-कांसखेत पेयजल योजना से पानी की सप्लाई चरमराई हुई है। पेयजल किल्लत से ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने जल्द से जल्द से समस्या का निराकरण करने की मांग की है।

बीते एक सप्ताह से पेयजल लाइन बारिश से गिदरासू और कल्जीखाल के बीच क्षतिग्रस्त हो गई थी। जिसके कारण इस योजना से कांसखेत, बांजखाल क्षेत्रों में पेयजल किल्लत बनी हुई है। सामाजिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी ने बताया कि ग्रामीण उपभोक्ता इन दिनों प्राकृतिक स्त्रोतों से ही पानी लाने को मजबूर हैं। इस संबंध जनप्रतिनिधियों ने एसडीएम को भी ज्ञापन भेजकर समस्या का हल करने की मांग की गई है।

श्रीनगर में हरेला पर्व पर रोपेगें पौधे

श्रीनगर गढ़वाल : उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी के निर्देश पर शुक्रवार को सिविल जज अलका ने हरेला पर्व को लेकर शिक्षकों, पुलिस प्रशासन सहित अधिवक्ताओं की बैठक ली।

बैठक में न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीनगर अलका ने उत्तराखंड के लोक पर्व हरेला पर तहसील परिसर सहित नगर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किए जाने के निर्देश दिए। इस मौके पर उत्तराखंड बार काउंसिल के सदस्य अर्जुन सिंह भण्डारी, श्रीनगर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमेश चन्द्र जोशी, संरक्षक बार एसोसिएशन अनूपश्री पांथरी, तहसीलदार धीरज सिंह राणा, एसआई अजय रमन,जीजीआई श्रीनगर के प्रधानाचार्य एसएस मेहरा, आभा कठैत, सुभाष कुमार, पूनम हटवाल, सचिन ब्रह्मानंद भट्ट, देवी प्रसाद खरे एडवोकेट, सुधीर उनियाल, प्रदीप मैठाणी सहित आदि मौजूद रहें। (एजेंसी)

कूड़े की दुर्गंध से गिरगांव के ग्रामीण परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम श्रीनगर के गिरगांव स्थित ट्रंचिंग ग्राउंड से कूड़े की गंध से लोग परेशान हैं। गिरगांव, बिलकेदार, नकोट, धनचडा, दिगोली, देहलचौरी, धौलकंडी, संपला, पाली, बिंदला सहित आस पास के ग्रामीणों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रंचिंग ग्राउंड होने वाली समस्याओं को लेकर भाजपा श्रीनगर मंडल मीडिया प्रभारी बिपेंद्र बिष्ट ने नगर आयुक्त नुपूर वर्मा से वार्ता की। बिपेंद्र बिष्ट ने कहा कि कि नगर निगम श्रीनगर के द्वारा कचरा संग्रहण के लिए गिरगांव में ट्रंचिंग ग्राउंड बनाया गया है। जो कि चारों तरफ से टीन चादर से बनाया गया है। ट्रंचिंग ग्राउंड का उचित प्रबंध न होने के कारण कूड़े से दुर्गंध आ रही है। जिससे ग्रामीण परेशान हैं।

लाखों खर्च कर लगाई गई इंटरलॉकिंग टाइल्स, हल्की वर्षा भी नहीं झेल पाई

टाइल्स की पकड़ छूटने के कारण दोबारा खस्ताहाल स्थिति में पहुंचा मार्ग

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : लाखों की लागत से मार्ग मरम्मत के लिए लगाई गई इंटरलॉकिंग टाइल्स हल्की बरसात भी नहीं झेल पाई। नतीजा टाइल्स की पकड़ छूटने के कारण मार्ग दोबारा खस्ताहाल स्थिति में पहुंच चुका है। सबसे बुरी स्थिति गाड़ीघाट तिराहे से काशीरामपुर तल्ला को जाड़ने वाले मार्ग की बनी हुई है। बदहाल मार्ग पर आए दिन दुर्घटनाओं का अंदेशा बना हुआ है। चंद माह पूर्व नगर निगम की ओर से वार्डों में मार्ग मरम्मत के लिए इंटरलॉकिंग टाइल्स बिछाई गई थी। लेकिन, यह टाइल्स हल्की बरसात में ही धोखा देने लगी है।

कोटद्वार के गाड़ीघाट तिराहे के समीप खस्ताहाल पड़ी इंटरलोकिंग टाइल्स की सड़क

आपस में मिलाकर लगाई गई टाइल्स की पकड़ छूटने के बाद वह एक तरफ से उखड़ने लगी है। माल गोदाम रोड में इंटरलॉकिंग टाइल्स से बनाई गई सड़क पर जगह–जगह गड्ढे बने हुए हैं। ऐसे में वाहन चालकों को आवागमन में काफी परेशानी हो रही है। सबसे अधिक परेशानी वर्षाकाल के समय गड्ढों में पानी भरने से होती है। वहीं, गाड़ीघाट तिराहे से काशीरामपुर तल्ला को जाने वाले मार्ग की भी यही स्थिति बनी हुई है। यहां पर एक तरफ से टाइल्स उखड़ने लगी है। कई स्थानों पर टूटी हुई टाइल्स सड़क पर गिरी हुई है। स्थानीय निवासी शहजाद, मुन्नवर ने बताया कि कुछ महीने पहले ही मार्ग की मरम्मत करवाकर टाइल्स बिछाई गई थी। लेकिन, खराब गुणवत्ता के कारण मार्ग एक वर्षा भी नहीं झेल पाया है।

डामर बिछाकर हो मरम्मत

शहरवासियों ने इंटरलॉकिंग टाइल्स के बजाय डामर बिछाकर सड़क मरम्मत करवाने की मांग की है। शहरवासी सत्यपाल सिंह, मोहन कुमार ने बताया कि इंटरलॉकिंग टाइल्स में वाहनों के फिसलने का खतरा बना रहता है। साथ ही यह अधिक समय तक नही टिक पाती। ऐसे में वार्डों की सड़कों पर डामर बिछाकर ही पक्की सड़क बनाई जानी चाहिए।

ठप पड़ी पेयजल योजना, पानी को तरस रहे ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : एकेश्वर ब्लाक के अंतर्गत नौगांवखाल के लिए बनाई गई सुधरी–धरमपुर–पांथर पेयजल योजना पिछले कई माह से ठप पड़ी हुई है। नतीजा ग्रामीणों को पानी की तलाश में इधर–उधर भटकना पड़ रहा है। 80 के दशक में ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए धरमपुर–पांथर पेयजल योजना बनाई गई थी। इस योजना से नौगांवखाल बाजार के साथ ही धरमपुर, पांथर, मरड़ा, जणदा देवी के सैकड़ों ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध करवाया जाता है। लेकिन, पिछले छः माह से पेयजल योजना बदहाल पड़ी हुई है। देखरेख के अभाव में लीकेज पेयजल लाइन से ग्रामीणों को पानी नही मिल पा रहा है। कई स्थानों पर पाईप लाइन ही उखड़ गई हैं। ग्रामीण सुबोध बमोला, योगेश पांथरी, सुरेश पांथरी ने कहा कि समस्या से कई बार अधिकारियों को अवगत करवा चुके हैं। लेकिन, अब तक समस्या को लेकर गंभीरता नही दिखाई गई। कहा कि अब ऐसे में ग्रामीण एकजुट होकर सतपुली पहुंचकर जल निगम कार्यालय का घेराव करेंगे।

सांसद को भेजा पत्र, राष्ट्रीय राजमार्ग की मरम्मत कराने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गढ़वाल मोटर ओनर्स यूनियन लिमिटेड ने गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी से कोटद्वार से श्रीनगर के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग की स्थिति सुधार करवाने की मांग की है। कहा कि बरसात के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग से सफर करना भी मुश्किल हो गया है। समस्या के संबंध में यूनियन के अध्यक्ष जीत सिंह पटवाल ने गढ़वाल सांसद को पत्र भेजा। बताया कि कोटद्वार-दुगड्डा-पौड़ी-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग को गढ़वाल की लाइफ लाइन कहा जाता है। लेकिन, पिछले कई वर्षों से यह राष्ट्रीय राजमार्ग बदहाल स्थिति में पड़ा हुआ है। सबसे बुरी स्थिति कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य बनी हुई है। हल्की बारिश होने पर ही पहाड़ी से बोल्डर सड़क पर गिर जाते हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग पर सैकड़ों डेंजर जोन बने हुए हैं। बदहाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। कोटद्वार-पाखरो-मोरघट्टी-रामनगर वन मार्ग को जंगल का हवाला देते हुए वाहनों के लिए बंद कर दिया गया है, जिससे गढ़वाल व कुमाऊंकी जनता प्रभावित हो रही है। कहा कि उक्त मार्ग को वाहनों के लिए खोला जाना चाहिए। यूनियन ने सतपुली-व्यासघाट-देवप्रयाग मार्ग को आलवेदर मार्ग की भांति विकसित करने की भी मांग उठाई। कहा कि इससे यातायात को बेहतर बनाया जा सकता है। कहा कि पौड़ी के आसपास के क्षेत्रों से केवल देवप्रयाग ही नहीं, इसके अतिरिक्त हरिद्वार-ऋषिकेश व देहरादून जाने के लिए सुगम सड़क मार्ग मिलेगा। यूनियन ने बद्रीनाथ मार्ग पर जाम से निजात के लिए विष्णुप्रयाग के आसपास बाईपास मार्ग बनवाने की मांग भी की है।

शहर की समस्याओं पर जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर में व्याप्त समस्याओं का निराकरण नहीं होने पर उत्तराखंड विकास समिति ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि पूर्व में कई बार आश्वासन के बाद भी आज तक कोटद्वार में मेडिकल कॉलेज नहीं बन पाया है। यही नही कॉलेज के लिए चिह्नित भूमि को भी खननकारियों ने बर्बाद कर दिया है। समिति से शहर से अतिक्रमण नहीं हटने पर भी अपना रोष व्यक्त किया। शुक्रवार को समिति की बैठक आयोजित की गई। वक्ताओं ने कहा कि सरकार कोटद्वार शहर की अनदेखी कर रही है। दशकों से व्याप्त समस्याओं के निराकरण के लिए आज तक कोई योजना तैयार नहीं की गई। बाजार में लगातार अतिक्रमण नासूर बनता जा रहा है। जिसके कारण आमजन का सड़कों पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। हर समय दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है। बावजूद, लोक निर्माण विभाग व नगर निगम गहरी नींद में सो रहा है। मेडिकल कालेज के लिए स्वीकृत भूमि अवैध खनन की भेंट चढ़ने लगी है। कहा कि शहर की समस्याओं का बेहतर निर-ाकरण हो इसके लिए अधिकारियों व जन प्रतिनिधियों को गंभीरता से कार्य करना होगा। बैठक में केदारनाथ की विधायक शैलारानी रावत के निधन पर भी शोक व्यक्त किया गया। सदस्यों ने दो मिनट का मौन धारण कर उनकी आत्मा शांति के लिए प्रार्थना की। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष जानकीबल्लभ मैंदोला, गोपाल कृष्ण, सावित्री देवी, विपुल उनियाल, दुर्गा प्रसाद आदि मौजूद रहे।

अव्यवस्थाओं पर फूटा गुस्सा, अधिकारियों से मांगा जवाब

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष व क्षेत्रीय विधायक ऋतु खंडूड़ी भूषण ने जिलाधिकारी एवं नगर आयुक्त से कोटद्वार की समस्याओं के निवारण हेतु किए जा रहे कार्यों पर जवाब मांगा है।

मौके पर उन्होंने नगर आयुक्त को अतिक्रमण हटाने और खोह नदी पर ट्रंचिंग ग्राउंड के कूड़े से हो रही गंदगी की त्वरित सफाई करने के आदेश दिये। बताया कि गत वर्ष आपदा में झूला बस्ती स्थित ट्रंचिंग ग्राउंड की सुरक्षा दीवार आपदा में बह गई थी, जिसे निगम द्वारा अभी तक नही बनाया गया है। साथ ही उन्होंने भाबर क्षेत्र के उमरावनगर कॉलोनी में बाहरी लोगों द्वारा सरकारी भूमि पर कब्जा करके रहने पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला अधिकारी पौड़ी से पत्र लिखकर जवाब मांगा है। कहा कि इस तरह की गतिविधि कोटद्वार में बर्दाश्त नही की जाएगी।

खेल के क्षेत्र में आगे बढ़े विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जयहरीखाल ब्लॉक के अंतर्गत न्याय पंचायत कुणझोली की उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना के अंतर्गत न्याय पंचायत स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

राजकीय इंटर कॉलेज कांडाखाल में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि शिक्षक नेता जगदीश राठी ने किया। उन्होंने कहा कि उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों को बढ़ावा देने और बच्चों को मंच प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों को न केवल खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती हैं, बल्कि उन्हें जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में भी सफल होने के लिए तैयार करती हैं। नोडल अधिकारी और प्रधानाचार्य मंदीप सिंह रावत ने बच्चों को खेल के प्रति जागरूक होने का संदेश दिया। साथ ही प्रदेश की उदीयमान धाविका अंकिता ध्यानी के बारे में जानकारी देते हुए बच्चों का उत्साहवर्धन किया गया। इस दौरान कुलदीप जखमोला, जनार्दन द्विवेदी, विजय सिंह, योगेन्द्र सिंह, संजय, योगिता, नीलम, शैलबाला, रविन्द्र और सतीश कुमार आदि शिक्षक मौजूद रहे।

आयोजित खेल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

चांद मौलाबख्श को किया सम्मानित

चांद मोला बख्श को सम्मानित करते संस्था के सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जागृति गढ़वाल जनजागरण संस्था की ओर से समाजसेवी चांद मौलाबख्श को सम्मानित किया गया। इस दौरान सदस्यों ने स्वयं भी सामाजिक कार्यों में सहयोग देने का संकल्प लिया।

संस्था के अध्यक्ष मनीष भट्ट व अन्य सदस्यों ने चांद मौलाबख्श को स्मृति चिह्न देकर व शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कहा कि चांद मौलाबख्श लगातार सामाजिक सेवा में अपना योगदान दे रहे हैं। गरीब बच्चों की पढ़ाई हो या फिर गरीब बेटी का विवाह वह इसके लिए अपना पूरा सहयोग देते हैं। कोरोना काल में भी चांद मौलाबख्श लोगों की सेवा में जुटे हुए थे। बताया कि संस्था सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों को लगातार प्रोत्साहित कर रही है। इस मौके पर तारा दत्त जोशी, समृद्ध नेगी, संदीप कुमार, रोहित रावत आदि मौजूद रहे।

अदालती सूचना

न्यायालय असिस्टेंट कलक्टर (प्रथम श्रेणी)
कोटद्वार गढ़वाल

राजस्व वाद संख्या 22/07 सन् 2024
दीपेन्द्र रावत पुत्र बालमुकुन्द रावत आदि ––वादीगण

बनाम्

शाकम्बरी देवी पत्नी स्व0 गबर सिंह ––प्रतिवादीगण

समन बनाम- शाकम्बरी देवी पत्नी स्व0 गबर सिंह, गौरा देवी पत्नी सुल्तान सिंह, मनोज सिंह पुत्र सुल्तान सिंह, गोदाम्बरी देवी पत्नी राम सिंह, विनिता पत्नी मनोज, संजय सिंह पुत्र विरेन्द्र, रीना पुत्री गजय सिंह, धनेश्वरी देवी पत्नी धीरेन्द्र सिंह, राजपाल सिंह पुत्र सुरेन्द्र सिंह, सुरेन्द्र सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह, कुलविन्दर पुत्र बिजेन्द्र, महेश कुमार पुत्र विजय सिंह, उपांत पुत्र बुद्धि सिंह, समस्त निवासीगण ग्राम निम्बूचौड़, पट्टी मोटाढाक, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, वार्ड नं0-28, निम्बूचौड द्वारा पार्षद, नगर आयुक्त नगर निगम कोटद्वार।

चंकि वादीगण ने मेरे न्यायालय में आपके विरूद्ध एक वाद अन्तर्गत धारा 176 उ0प्र0 ज0वि0 अधि0 प्रस्तुत किया है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि दिनांक 19.07.2024 को मेरे न्यायालय स्थान कोटद्वार में बवक्त 10 बजे दिन हाजिर आकर मामले में जवाबदेही करें। अन्यथा मामले में आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जायेगी।

मेरे हस्ताक्षर व मुहर अदालत के आज दिनांक 26.06.2024 को जारी किया गया।

न्यायालय असि0 कले0 प्रथम श्रेणी
कोटद्वार गढ़वाल।
(0274/15)

महत्वपूर्ण सूचना

मुरादाबाद मंडल के शाहजहाँपुर जं. – लखनऊ एवं रोज़ा – सीतापुर सिटी डबल लाइन सेक्शन एवं रोज़ा स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य के चलते प्री–नॉन–इंटरलॉकिंग एवं नॉन–इंटरलॉकिंग कार्य के संबंध में दिनांक 05.07.2024 को विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित सार्वजनिक सूचना में रेलगाड़ियों के बहाली/ मार्ग परिवर्तन की तिथियों में परिवर्तन किया गया है, जो निम्नानुसार है:–

रेलगाड़ियों की बहाली / मार्ग परिवर्तन

रेलगाड़ी संख्या एवं रेलगाड़ी का नाम	परिवर्तित मार्ग (वाया)	बहाली करने की तिथि(यां) (प्रारम्भिक स्टेशन से)
15211 दरभंगा जं. – अमृतसर जं. जननायक एक्सप्रेस	बुढ़वल जं. – बाराबंकी जं. – लखनऊ – कानपुर सेंट्रल – खुर्जा जं. – हापुड़ जं. – मेरठ सिटी – सहारनपुर तथा विपरित क्रम से	23.07.2024 से 04.08.2024
15212 अमृतसर जं. – दरभंगा जं. जननायक एक्सप्रेस		25.07.2024 से 06.08.2024
14603 सहरसा जं. – अमृतसर जं. जनसाधारण एक्सप्रेस		26.07.2024 एवं 02.08.2024
14604 अमृतसर जं. – सहरसा जं. जनसाधारण एक्सप्रेस		24.07.2024 एवं 31.07.2024
15531 सहरसा जं. – अमृतसर जं. जनसाधारण एक्सप्रेस		21.07, 28.07 एवं 04.08.2024
15532 अमृतसर जं. – सहरसा जं. जनसाधारण एक्सप्रेस		22.07, 29.07 एवं 05.08.2024

नोट : रेलगाड़ी सं. 15531 का दिनांक 21.07.2024, 28.07.2024 एवं 04.08.2024 को और रेलगाड़ी सं. 15532 का दिनांक 22.07.2024, 29.07.2024 एवं 05.08.2024 को चंडीगढ़ जं. को छोड़कर वाया अंबाला कैंट – सरहिंद जं. – सानेहवाल के रास्ते भी मार्ग परिवर्तित रहेगा तथा विपरित क्रम से।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन सं. 139 पर संपर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

आज़ादी का अमृत महोत्सव | उत्तर रेलवे सदैव आपकी सेवा में | हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें | पर हमें फॉलो करें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

शासन पर फूटा गुस्सा, किया प्रदर्शन

शासन–प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन करते कर्मचारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सेवा लाभ दिए जाने का शासनादेश निरस्त करने से आक्रोशित उत्तराखंड वन विकास निगम कर्मचारी संगठन ने शासन-प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। कहा कि कर्मचारी व अधिकारियों की अनेदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

क्षेत्रीय अध्यक्ष दलवीर सिंह रावत व क्षेत्रीय मंत्री सोहन लाल जखमोला के नेतृत्व में कर्मचारी व अधिकारियों ने लकड़ी पड़ाव में प्रदर्शन किया। सदस्यों ने कहा कि शासन द्वारा पूर्व में अपने शासनादेश से वन विकास निगम में कार्यरत दैनिक कर्मिकों को विनियमित किया गया था। बकायदा उन्हें सेवा लाभ भी दिया गया था। लेकिन, वर्तमान में यह शासनादेश निरस्त करते हुए कर्मचारियों से रिकवरी के आदेश दिए गए हैं। शासन के इस आदेश से कर्मचारी व अधकिारियों में भारी रोष व्याप्त है। कहा कि एक तरफ कर्मचारी व अधिकारी बिना पेंशन जीवन व्यापन कर रहे हैं। वहीं, उनका शोषण किया जा रहा है। सेवानिवृत्त कर्मिक चंद्रमोहन जखमोला ने कहा कि आज सेवानिवृत्ति होने के पश्चात उनके पास किसी भी प्रकार की आर्थिकी नहीं है। ऐसे में उक्त शासनादेश ने उनके समक्ष आर्थिक संकट खड़ा कर दिया हैं।

खिलाड़ियों का बढ़ाया मनोबल

आयोजित कार्यक्रम में मौजूद खिलाड़ी व अन्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : देहरादून में 14 से 16 जुलाई तक जूनियर स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। चैंपियनशिप में कोटद्वार से 10 बालक और 5 बालिकाएं अलग-अलग भार वर्ग में प्रतिभाग करेंगी। शुक्रवार को स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में कोच श्याम डांगी और जिला क्रीड़ा अधिकारी संदीप कुमार डुकलान और प्रतिभागियों से जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन पौड़ी गढ़वाल के सचिव कमल नेगी, उपाध्यक्ष जयदीप नौटियाल एवं अन्य पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों से भेंट की। उन्होंने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए उन्हें आगे बढ़ते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। कहा कि जीवन में लक्ष्य तय कर आगे बढ़ने वाले विद्यार्थियों को अवश्य सफलता मिलती है। आज कई युवा खेल के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर अपने देश व प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं।

एक नजर

स्मारिका प्रत्रिका सरोकार का विमोचन

श्रीनगर गढ़वाल : अवकाश प्राप्त कर्मचारी विकास संगठन की त्रिवार्षिक स्मारिका पत्रिका सरोकार का शुक्रवार को विमोचन किया गया। पत्रिका में अवकाश प्राप्त कर्मचारियों के द्वारा किये गये कार्यों का उल्लेख किया गया है। विमोचन कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज श्रीकोट के प्राचार्य डॉ. सीएमएस रावत, प्रबंधक एसबीआई श्रीनगर सत्येंद्र जैन, डॉ. केके गुप्ता व गंगा आरती के अध्यक्ष प्रेम बल्लभ नैथानी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए स्मारिका पत्रिका सरोकार का विमोचन किया। मौके पर संगठन के अध्यक्ष पीसी नौडियाल, रंगकर्मी विमल बहुगुणा, शंभू प्रसाद, स्नेहिल आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

देवप्रयाग में पार्किंग बनाने का लिया निर्णय

नई टिहरी : देवप्रयाग के 5 किमी. दायरे में रेलवे विकास निगम के माध्यम से बनने वाले भूमिगत वाहन पार्किंग निर्माण के लिए शुक्रवार को तहसील सभागार में बैठक हुई। बैठक में ऋषिकेश-बदरीनाथ राजमार्ग स्थित नागराजा मन्दिर के निकट पार्किंग निर्माण पर सहमति बनी। शुक्रवार को तहसीलदार एसएस रावत की अध्यक्षता में देवप्रयाग संगम के 5 किमी. क्षेत्र में प्रस्तावित 5 सौ वाहन क्षमता की विशाल पार्किंग निर्माण को लेकर बैठक हुई। जिसमें उत्तराखण्ड शासन की ओर से प्रस्तावित वाहन पार्किंग निर्माण को लेकर आरवीएनएल के वरिष्ठ उप प्रबंधक किरनकुमार बांठ व जेई संतोष शर्मा ने विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि, बदरी-केदार यात्रा मार्ग पर देवप्रयाग में अभी तक पार्किंग की सुविधा नहीं है। जबकि यह स्थान टिहरी, पौड़ी, सतपुली, गजा आदि से भी जुड़ा है। (एजेंसी)

19 जुलाई से शुरू होंगी मुक्त विवि की परीक्षाएं

नई टिहरी : उत्तराखंड मुक्त विवि की यूजी और पीजी की ग्रीष्मकालीन मुख्य परीक्षा, सेमेस्टर और अंक सुधार परीक्षाएं नई टिहरी स्थित पीजी कॉलेज परीक्षा केंद्र में 19 जुलाई से 12 सितंबर तक तीन पालियों में कराई जाएगी। यह जानकारी देते हुए प्राचार्य प्रो. पुष्पा नेगी और समन्वयक डॉ. डीपीएस भंडारी ने बताया कि परीक्षा तीन पालियों सुबह 9 से 11, दोपहर 12 से 2 और अपराह्न 3 से 5 बजे तक कराई जाएंगी। विभिन्न कक्षाओं और सेमेस्टर के कुल 1619 परीक्षार्थी इस केंद्र पर पंजीकृत हैं। परीक्षा को पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए विवि की गाइडलाइन के अनुसार कार्यवाही की जा रही है। इस दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा परीक्षा केंद्र पर किसी भी तरह की इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्रतिबंधित रहेगा। परीक्षार्थी अपना प्रवेश पत्र विवि की आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। (एजेंसी)

टिहरी में उत्तराखंड बोर्ड के टॉपरों का किया सम्मान

नई टिहरी : शिक्षक गोपाल दत्त बलोदी स्मृति शिक्षा प्रतिभा सम्मान समारोह में उत्तराखंड बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षा में प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान बनाने वाले जिले के 15 छात्रों को सम्मानित किया गया। छात्रों को स्मृति चिह्न, प्रशस्ति और नकद धनराशि देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान मेधावियों ने भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। अधिकांश टॉपर्स ने इंजीनियरिंग, आईटी और सिविल सेवाओं में जाने की बात कही। शुक्रवार को डायट टिहरी में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह का सीडीओ डा. अभिषेक त्रिपाठी ने शुभारंभ करते हुए कहा कि आज के बच्चे ही देश का भविष्य हैं। इसलिए उन्हें बेहतर शिक्षा मिलनी जरूरी है।

कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में सीमित संसाधनों में भी छात्र-छात्राएं बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। आयोजक प्रभा रतूड़ी, रमेश चंद्र रतूड़ी और बसंती देवी ने शिक्षक स्व. गोपालदत्त बलोदी के जीवन परिचय, शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान और बीते कई सालों से आयोजित किए जा रहे इस सम्मान समारोह की रूपरेखा बताई। (एजेंसी)

पांच केंद्रों में होगी उत्तराखंड सिविल सेवा परीक्षा

रुद्रप्रयाग : आगामी रविवार 14 जुलाई को एकल सत्र में आयोजित होने वाली उत्तराखंड सम्मिलित राज्य सिविल/प्रवर अधीनस्थ सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2024 को लेकर प्रशासन तैयारियों में जुटा है।

दो पालियों में आयोजित होने वाली परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्रों में धारा-144 प्रभावी रहेगी। उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग द्वारा इसका आदेश जारी कर दिया गया है। उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग आशीष चंद्र घिल्डियाल ने बताया कि सब डिविजन रुद्रप्रयाग में उत्तराखंड सम्मिलित राज्य सिविल/प्रवर अधीनस्थ सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2024 के लिए 05 केंद्रों में परीक्षा आयोजित होगी।

बढ़ती आबादी देश के लिए चिंता का सबक

विश्व जनसंख्या दिवस पर छात्र-छात्राओं को दी जनसंख्या नियंत्रण की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल के राउमा कन्या विद्यालय घंडियाल में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में जनसंख्या दिवस पर आयोजित शिविर में पीएलवी जगमोहन डांगी ने कहा कि बढ़ती आबादी को देखते हुए वर्तमान दौर में इसका नियोजन बहुत आवश्यक हैं। क्योंकि इसमें विकास का लाभ पूरी जनता को नहीं मिल पा रहा है। भारत की आबादी दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। वही दूसरी तरफ हमारे संसाधन सीमित होते जा रहे है। इसमें असंतुलन के हालत पैदा होते जा रहे है। अधिक आबादी के कारण जल संकट, खाद्यान्न संकट जैसी समस्याएं समाने आ रही पंचायत और निकाय चुनाव में दो से अधिक बच्चों वाले चुनाव न लड़ने जैसे कानूनी नियमों में जनसंख्या नियंत्रण भी कारगर साबित हो रहा है।

शिविर में अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी के दिशा निर्देशन पर विद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। जिसमें नालसा द्वारा संचालित मैत्री पूर्ण विधिक सेवाओं के तहत मासिक एक्शन प्लान के तहत आजादी अमृत महोत्सव पखवाड़ा पर आम नागरिकों के मौलिक अधिकार, महिलाओं का उत्पीड़न, एसिड अटैक, जनसंख्या नियंत्रण, निःशुल्क विधिक सहायता, साइबर क्राइम, घरेलू हिंसा जैसे अपराध के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। शिविर में सोशल नेटवर्क पर साईबर अपराध और ठगी अथवा नाबालिक बच्चों की सुरक्षा व उनके साथ किसी भी प्रकार के होने वाले यौन उत्पीड़न जैसे आपराधिक मामलों पर क्षेत्रीय राजस्व उप निरीक्षक कुमारी नीता ने जानकारी दी। शिविर की अध्यक्षता प्रभारी प्रधानाचार्य श्रीमती सुषमा बिष्ट ने की। इस अवसर पर समस्त विद्यालय की शिक्षिकाएं सहित 40 लोग मौजूद थे।

सीईओ और डीईओ को बताई अशासकीय विद्यालयों की समस्याएं

नई टिहरी : अशासकीय माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने लंबित समस्याओं के निराकरण को लेकर शुक्रवार को सीईओ और डीईओ माध्यमिक से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा।

कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में अशासकीय विद्यालय बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याएं हल नहीं हो पा रही हैं। नरेंद्रनगर में संघ के प्रांतीय महामंत्री महादेव मैठाणी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने सीईओ बताया कि शिक्षक-कर्मचारियों के प्रोन्नत व चयन वेतनमान, एसीपी की स्वीकृति प्रदान करने, बोर्ड परीक्षा के लंबित भुगतान, ग्रीष्मावकाश के दौरान चुनाव मतगणना में ड्यूटी करने वाले कार्मिकों को प्रतिकर अवकाश, जूनियर हाईस्कूलों की एनपीएस की धनराशि प्रत्येक माह समय पर खातों में जमा करने और डीईओ बेसिक नई टिहरी के नाम से उक्त खाता खोलने की मांगों पर जल्द कार्रवाई की जाए।

सीयूईटी के बाद रिक्त यूजी की सीटों पर मेरिट के आधार पर होगा प्रवेश

श्रीनगर गढ़वाल : छात्रों के आंदोलन के बाद गढ़वाल विवि ने इस सत्र से बढ़ाई गई फीस का फैसला वापस ले लिया है। साथ ही सीयूईटी के बाद रिक्त यूजी की सीटों पर मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। मांगों पर लिखित आश्वासन मिलने पर छात्रों ने भी आंदोलन को स्थगित कर दिया है।

गढ़वाल विवि के छात्र फीस वृद्धि वापस लिए जाने, पीएचडी प्रवेश परीक्षा की जांच, नूतन सत्र से दो नई बसें संचालित किए जाने सहित 15 सूत्रीय मांगों को लेकर 11 दिनों से धरने पर बैठे थे। लिखित आश्वासन मिलने के बाद छात्रों ने विवि प्रशासन को मांगों पर अमल करने के लिए 20 दिन का समय दिया है। छात्रों का कहना है कि अगर विवि प्रशासन 20 दिनों में मांगों पर कार्रवाई नहीं करता है तो छात्र दोबारा आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। गढ़वाल विवि के छात्रसंघ अध्यक्ष सुधांशु थपलियाल ने बताया कि 18 मांगों में से विवि प्रशासन ने फीस वृद्धि, एक एम्बुलेंस, दो नई बसें, पीएचडी प्रवेश परीक्षा की जांच, यूजी में सीयूईटी के बाद बची सीटों पर मेरिट के आधार पर प्रवेश, दीक्षांत समारोह में उत्तराखंड के सांस्कृतिक परिधान पहने जाने, दीक्षांत समारोह में पीएचडी उपाधि मंच पर दिए जाने, नए हॉस्टल का नाम गौरा देवी रखे जाने की मांगों पर सहमति बनी है। कहा कि शैक्षणिक और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के पदों को भरने की मांग पर विवि को 10 दिनों के भीतर विज्ञप्ति जारी करने को कहा है। साथ ही जिन मांगों पर सहमति नहीं बन पाई है उन पर विवि प्रशासन विद्या परिषद की बैठक में फैसला लेगा। छात्र नेता वीरेन्द्र बिष्ट ने कहा कि 18 सूत्रीय मांगों में से कुछ मांगों पर सहमति बनी है। विवि प्रशासन ने लिखित आश्वासन दिया है। मौके पर कैवल्य जखमोला, पुनीत अग्रवाल,आकाश रतूड़ी,सौरभ रावत, नीरज पंचोली आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

कूड़ा निस्तारण के लिए गंभीरता से कार्य करें : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने वर्चुअल माध्यम से नमामि गंगे की बैठक ली। उन्होंने कहा कि ठोस एवं तरल अपशिष्ट पर जिस तरह कार्य किया जा रहा है उसी तरह निरंतर रूप से करें।

शुक्रवार को आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन सहित अन्य कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कूड़ा निस्तारण उचित तरीके से करें, जिससे कूड़ा नदी-नालों में जाने से बच सके। उन्होंने समस्त खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिये कि अपने-अपने क्षेत्रातंर्गत नदी व नालों में जिन लोगों द्वारा कूड़ा डाला जा रहा है उन पर उचित कार्यवाही करें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि कूड़े के निस्तारण के लिए गंभीरता से कार्य करें। कहा कि जिस क्षेत्र में कूड़ा जगह-जगह फैला हुआ है उसे तत्काल वहां से उठाकर उसका निस्तारण करें। उन्होंने निकायों के क्षेत्रातंर्गत सभी सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का सेफ्टी ऑडिट कराते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत कराने को कहा। उन्होंने संबंधित उपजिलाधिकारियों को कहा कि कूड़ा डंपिंग जोन के लिए जो भूमि चिन्हित की गई है उसकी रिपोर्ट जल्द उपलब्ध कराएं। साथ ही उन्होंने कहा कि अस्पतालों, सिडकुल क्षेत्र कोटद्वार व अन्य जगहों में बायो मेडिकल वेस्ट को कहां डंपिंग किया जा रहा है उसका भी निरीक्षण करें। बैठक में समस्त उपजिलाधिकारी, नगर निकाय, वन विभाग, पर्यटन, खनन अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

गर्ल्स हास्टल की निर्माणाधीन सुरक्षा दीवार ढही, हादसा टला

चमोली : राजकीय पीजी गैरसैंण के गर्ल्स हॉस्टल की निर्माणाधीन सुरक्षा दीवार बीते दिन भरभरा कर गिर गई। गनीमत रही कि उस समय कोई इसकी चपेट नहीं आया।बता दें कि मंडी परिषद के द्वारा पीजी कॉलेज गैरसैंण के फरकंडे परिसर में वर्तमान में करोड़ो की लागत से गर्ल्स हॉस्टल और इनकी चाहर दीवारी का निर्माण कार्य प्रगति पर है। बीते दिनों निर्माणाधीन चाहरदीवारी का कुछ भाग भरभरा कर गिर गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएन बरमोला का कहना था कि महाविद्यालय में गर्ल्स हास्टल और चाहरदीवारी का कार्य प्रगति पर है जिसका कुछ भाग गिर गया है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य हीरा सिंह फनियाल ने मानकों के अनुसार निर्माण कार्य न होने की दशा में आंदोलन की बात कही। इस संबंध में पूछने पर मंडी परिषद के सहायक अभियंता बीएल गुप्ता ने बताया कि बारिश के कारण चाहरदीवारी का लगभग 20 मीटर भाग गिर गया जिस पर पुनः निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है। (एजेंसी)

प्रशिक्षण केंद्र के कार्मिकों को एक साथ अवकाश पर न भेजे

अपर मुख्य चिकित्साधिकारी ने किया ए.एन.एम.टी.सी. खिर्सू का निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के निर्देशों के क्रम में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. पारुल गोयल द्वारा ए.एन.एम.टी.सी. खिर्सू का निरीक्षण किया। गौरतलब है कि 02 जुलाई 2024 को स्वास्थ्य मंत्री द्वारा निरीक्षण के दौरान प्रधानाचार्य ए.एन.एम.टी.सी. खिर्सू को सप्ताह में एक दिन निर्धारित कर वहां पर कार्य सम्पादित करने हेतु निर्देश दिये गये थे। निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. पारुल गोयल ने छात्र-छात्राओं को अध्ययन कक्ष, स्किल लैब की दीवारों पर पोस्टर व थर्माकोल इत्यादि से स्वास्थ्य जागरूकता सम्बन्धी मॉडल तैयार कर दीवारों पर लगाने, ट्यूटर इंचार्ज को प्रशिक्षण केन्द्र से एक साथ तीन कार्मिकों को किसी भी स्थिति में अवकाश पर न भेजे जाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने ट्यूटर इंचार्ज को क्लास रूम में बनाये गये स्टोर रूम में रखे निष्प्रयोज्य सामान को खाली कर वहां पर कक्ष निर्माण, प्रशिक्षण केन्द्र के छात्रावास में जाली लगाने व स्टाफ हेतु अलग से वॉश रुम बनाने हेतु निर्माण अनुभाग को बजट हेतु पत्र भेजने तथा प्रशिक्षण केन्द्र में बिजली व्यवस्था सुचारु नहीं होने पर बिजली लाइन ठीक करने व पानी इत्यादि की सप्लाई के संबंध में मुख्य चिकित्साधिकारी को पत्र प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया। इसके साथ ही उन्होंने सीएचसी खिर्सू में डेंगू और चिकनगुनिया के लिए बनाये गये कक्ष का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस दौरान प्रभारी चिकित्साधिकारी खिर्सू डॉ. जीशान अली, ट्यूटर इंचार्ज शिवानी बड़थ्वाल, रुचि, शिप्रा गुसांई सहित संबंधित कार्मिक उपस्थित थे।

अफसर आपदा को लेकर अलर्ट मोड़ पर रहे : एएसपी

एनडीपीएस एक्ट के मामलों में लगेगी गैंगस्टर, अवैध रूप से अर्जित संपित होगी कुर्क

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : अपर पुलिस अधीक्षक ने एनडीपीएस ऐक्ट के मामलों में गैंगस्टर की कार्रवाई करते हुए आरोपियों की अवैध रूप से अर्जित की संपत्ति को कुर्क करने के निर्देश दिए। कहा कि ऐसे आरोपियों पर जिला बदर की कार्रवाई भी अमल में लाई जाए। एएसपी ने कहा कि साइबर ठगों से लोगों को बचाव के लिए जागरूक किया जाए और साइबर सेल प्रभारी ऐसी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए लोगों का पैसा भी वापस दिलाने के लिए ठोस कदम उठाएं। उन्होंने थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्र में सीएलजी मीटिंग लेने व बीट पुलिसिंग को मजबूत करने, क्षेत्राधिकारियों को 06 माह से अधिक लम्बित विवेचनाओं के सम्बन्ध में नियमित अन्तराल में ओआर लेने एवं पार्ट पेन्टिंग विवेचनाओं को समय से निस्तारित करने हेतु निर्देशित किया।

एएसपी जया बलूनी उत्कृष्ट कार्य करने पर उपनिरीक्षक मुकेश गैरोला को सम्मानित करते हुए।

शुक्रवार को पुलिस लाइन पौड़ी में अपर पुलिस अधीक्षक पौड़ी जया बलूनी ने अपराध समीक्षा बैठक ली। एएसपी ने बैठक लेते हुए कहा कि आपदा के मद्देनजर अफसर अलर्ट मोड पर हरे। लक्ष्मणझूला में आयोजित होने वाले कांवड़ मेले की तैयारी अभी से करने के निर्देश भी दिए गए। कहा कि संभावित भूस्खलन क्षेत्रों में थाना प्रभारी कार्मिकों की तैनाती करना भी सुनिश्चित करे। थाना प्रभारी समय-समय पर सत्यापन अभियान को भी चलाते रहे। श्रीनगर, लक्ष्मणझूला, कोटद्वार थानों को छोड़कर एमवी ऐक्ट में संतोषजनक कार्रवाई नहीं होने पर भी एएसपी ने नाराजगी जताई। जबकि रविवार को आयोजित होने वाली लोक सेवा आयोग की परीक्षा को लेकर भी थाना प्रभारियों को परीक्षा केंद्रों की कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक संचार अनूप काला, सीओ सदर अनुज कुमार, सीएफओ राजेंद्र सिंह खाती आदि मौजूद रहे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी और कर्मचारी सम्मानित

अपर पुलिस अधीक्षक पौड़ी जया बलूनी ने माह जून में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उपनिरीक्षक किशन दत्त शर्मा थाना कोटद्वार, उपनिरीक्षक राजविक्रम थाना लक्ष्मणझूला, उपनिरीक्षक विजय सैलानी थाना श्रीनगर, उपनिरीक्षक मुकेश गैरोला थाना पौड़ी, उपनिरीक्षक नवीन पुरोहित थाना पौड़ी, उपनिरीक्षक उमेश कुमार थाना यमकेश्वर, मुख्य आरक्षी रोहित थाना लक्ष्मणझूला, आरक्षी पंकज शर्मा थाना लक्ष्मणझूला, आरक्षी मुकेश कुमार थाना श्रीनगर, आरक्षी दीपक कुमार श्रीनगर, मुख्य आरक्षी धीरज नेगी थाना पौड़ी, मुख्य आरक्षी त्रिलोक थाना पौड़ी, मुख्य आरक्षी इकबाल मलिक थाना सतपुली, मुख्य आरक्षी बारू दत्त थाना पौड़ी, रिक्रूट आरक्षी कपिल कुमार थाना पौड़ी, अपर उपनिरीक्षक मोनेश कुमार थाना यमकेश्वर, आरक्षी संजीव कुमार थाना यमकेश्वर, महिला आरक्षी विमला थाना कालागढ़, आरक्षी जगत सिंह थाना कालागढ़, मुख्य आरक्षी सुरजीत थाना रिखणीखाल, फायर सर्विस चालक राजेश गौड़ फायर स्टेशन पौड़ी, महिला आरक्षी विद्या मेहता एएचटीयू कोटद्वार को माह जून में अच्छा कार्य करने पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

टीएचडीसी ने धूमधाम से मनाया स्थापना दिवस

नई टिहरी : टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड टिहरी ने 37 वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। कहा कि इन 37 वर्षों में टीएचडीसी ने कई उतार चढ़ाव देखे है। लेकिन कर्मियों की लगन और निष्ठा से टीएचडीसी सफलता के शिखर पर पहुंची है। टीएचडीसीआईएल के बहुउद्देशीय भवन प्रांगण भागीरथीपुरम में अधिशासी निदेशक एलपी जोशी ने स्थापना दिवस समारोह का ध्वजारोहण कर शुभारंभ किया। सीआईएसएफ के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। उन्होंने कहा कि टिहरी और कोटेश्वर बांध परियोजना का निर्माण कर्मियों से लेकर स्थानीय जनता के सहयोग से पूरा हुआ है। कहा कि अब द्वितीय चरण की पीएसपी परियोजना का निर्माण अंतिम दौर में है। कहा कि पीएसपी का निर्माण भी कुछ समय में पूरा हो जाएगा। जिससे देश की ऊर्जा जरूरतें पूरी होगी। जोशी ने कहा कि इस परियोजना में जो टरबाइन स्थापित की गई है वह नई तकनीकी की है।

रुद्रप्रयाग में वृद्धाश्रम खोलने की तैयारी शुरू

रुद्रप्रयाग : जनपद में समाज कल्याण विभाग द्वारा वृद्धाश्रम खोलने की तैयारी कर रहा है। हालांकि जनपद में पात्र व्यक्तियों का मानक पूरा होने पर ही आगे की दिशा में कदम बढ़ाया जाएगा, किंतु समाज कल्याण विभाग द्वारा ऐसे लोगों को सूचना दे दी जा रही है जो इस दायरे में आ रहे हैं। 60 वर्ष से ऊपर के वृद्धजनों को वृद्धाश्रम की सुविधा मुहैया कराने के लिए उच्च न्यायालय द्वारा जनपदों को आदेशित किया गया है। इसी क्रम में जनपद रुद्रप्रयाग में वृद्धाश्रम को खोलने की प्रारंभिक कवायदें शुरू हो गई हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी सुनीता अरोड़ा ने बताया कि उच्च न्यायालय नैनीताल के आदेशों के अनुपालन में प्रत्येक जनपद में वृद्धाश्रम स्थापित किए जाने हैं। ऐसे में जो वृद्धजन पारिवारिक परिस्थितियों या अन्य किसी भी कारणों से वृद्धाश्रम में रहना चाहते हैं, वे अपना या सहयोगी का नाम, पूरा पता, मोबाइल नम्बर आदि विवरण समाज कल्याण विभाग या संबंधित विकास खंड में दर्ज करा सकेंगे। आमतौर पर किसी भी जनपद में वृद्धाश्रम खोलने के लिए 60 वर्ष से ऊपर के वृद्धजनों की निर्धारित संख्या पूरी होने पर इसके खोलने की कार्यवाही की जाती है किंतु वर्तमान में वृद्धजनों की परेशानियों को समझते हुए हाईकोर्ट ने संबंधित विभागों को आदेश जारी किए हैं।

5 परीक्षा केंद्रों पर आज होगी पीसीएस की परीक्षा

नई टिहरी : उत्तराखंड लोकसेवा आयोग की ओर से सम्मिलित राज्य प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा- 2024 (पीसीएस) का आयोजन जिले के 5 परीक्षा केंद्रों पर रविवार 14 जुलाई को होगा। इसके लिए जिला प्रशासन की ओर से सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। डीएम मयूर दीक्षित ने अधिकारियों और आयोग के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर परीक्षा को निर्विघ्न और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के निर्देश दिए हैं। जिले में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। जिसमें राजकीय प्रताप इंटर कॉलेज बौराड़ी में 208, जीजीआईसी बौराड़ी और न्यू टिहरी इंटरनेशनल स्कूल पैन्यूला में 192-192, भागीरथी विद्या सरोवर बौराड़ी में 168 और सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज नई टिहरी में 288 कुल 1048 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं।

परीक्षा के लिए 1 जोनल मजिस्ट्रेट, 1 जोनल पुलिस अधिकारी, 1 सेक्टर पुलिस अधिकारी और प्रथम व द्वितीय पाली के लिए 5-5 सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं।

चमोली में 2553 अभ्यर्थी देंगे पीसीएस प्री की परीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : उत्तराखंड सम्मिलित राज्य सिविल/प्रवर अधीनस्थ सेवा प्रारंभिक परीक्षा रविवार को होगी। जनपद चमोली में 06 परीक्षा केंद्रों पर 2553 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने शुक्रवार को सभी नोडल अधिकारियों, सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं केन्द्र व्यवस्थापकों के साथ बैठक की। उन्होंने निर्देशित किया कि आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुरूप परीक्षा को शांतिपूर्ण और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराया जाए। परीक्षा से पहले एसडीएम और सीओ पुलिस सभी परीक्षा केंद्रों का संयुक्त निरीक्षण करते हुए कमियों का तत्काल दूर करें। परीक्षा केंद्रों पर विद्युत, पेयजल, सीटिंग प्लान एवं वीडियोग्राफी की व्यवस्था सुनिश्चित करें। सड़क मार्ग को सुचारू रखा जाए। जिलाधिकारी ने नियुक्त सभी अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का पूरी तरह से निर्वहन करते हुए आयोग के दिशा निर्देशों के अनुरूप परीक्षा को संपन्न कराने के निर्देश दिए।

आयोग के प्रतिनिधि महेन्द्र खत्री और संजय राणा ने परीक्षा हेतु जारी दिशा निर्देशों की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सिविल/प्रवर अधीनस्थ सेवा प्रारंभिक परीक्षा दो पालियों में होगी। पहली पाली में अपराह्न 10 से 12 बजे तथा दूसरी पाली 2.00 से 4.00 बजे तक होगी। जनपद चमोली में छः परीक्षा केन्द्र बनाए गए है। जिसमें अटल उत्कृष्ट श्री 1008 गीता स्वामी राइका गोपेश्वर, पीजी कॉलेज गोपेश्वर, श्री गुरु रामराय पब्लिक स्कूल गोपेश्वर, पीस पब्लिक स्कूल गोपेश्वर, डा0 शिवानन्द नौटियाल रा.स्ना.महाविद्यालय कर्णप्रयाग, वीसीडीएसएन राइका कर्णप्रयाग, डा. शिवानंद रा.स्ना.महाविद्यालय कर्णप्रयाग और वीसीडीएसएन राइका कर्णप्रयाग शामिल है

जिला प्रशासन ने की मतगणना की तैयारियां पूरी

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : बद्रीनाथ विधानसभा उपचुनाव की मतगणना को लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली है। शुक्रवार को जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने राजनीतिक दलों और प्रेस प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते हुए निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों और मतगणना केंद्र पर व्यवस्थाओं की पूरी जानकारी दी।

जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने कहा कि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर में 13 जुलाई 2024 को प्रातः 8.00 बजे से मतगणना का कार्य शुरू होगा। मतगणना के लिए विधानसभा में 14 टेबल लगाई गई। सबसे पहले पोस्टल बैलेट की गणना की जाएगी। पोस्टल बैलेट की गणना के लिए 07 टेबल है। वही ईटीपीबीएस की स्कैनिंग के लिए 08 मशीने रहेगी। ठीक 8:30 बजे से ईवीएम में पड़े मतो की गणना शुरू की जाएगी। मतगणना में ड्रॉ ऑफ लॉट के माध्यम से विधानसभा के 5 मतदेय स्थलों की वीवीपैट की पर्चियों की गणना भी की जाएगी। मतगणना कक्ष में किसी भी व्यक्ति को मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी। साथ ही मतगणना केंद्र जाने के लिए प्रवेश पास अनिवार्य है। राजनीतिक दलों के एजेंट प्रातः 7 बजे तक मतगणना टेबल पर पहुंच जाए। मतगणना का चक्रवार परिणाम नोटिस बोर्ड पर चस्पा करने के साथ लाउडस्पीकर के माध्यम से भी घोषित किया जाएगा। इसके अलावा मतगणना परिसर में स्थापित कंट्रोल रुम से 1950 नम्बर पर संपर्क करके मतगणना के संबंध में जानकारी ली जा सकेगी।

बैठक में अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, रिटर्निंग ऑफिसर राजकुमार पांडेय, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी डीसी सती, सभी सहायक रिटर्निंग अधिकारी सहित भाजपा के रविन्द्र सिंह नेगी, कांग्रेस के सुरेश कुमार डिमरी, निर्दलीय उम्मीदवार के प्रतिनिधि विश्वनाथ खाली मौजूद थे।

74 घंटे बाद शुरू हुई दुपहिया वाहनों एवं पैदल आवाजाही

चमोली : जोशीमठ नगर से लगभग एक किमी आगे नगर पालिका कूडा डैंपिंग जोन के निकट मंगलवार सुबह साढ़े छह बजे पहाड़ी टूटने से बंद हुआ बदरीनाथ हाईवे 74 घंटे बाद दोपहियां वाहनों के लिए खोला जा सका। बीआरओ ने पिछले तीन दिनों से दिन रात कार्य कर शुक्रवार सुबह साढ़े नौ बजे हाईवे को दोपहिया वाहनों के लिए खोला।

बड़े वाहनों में सवार अन्य लोगों की आपत्ति के बाद दोपहर ढाई बजे मार्ग बंद कर मलबा हटाकर चौड़ीकरण का काम शुरु किया गया। गुरुवार रात को बीआरओ ने हेवी ब्लास्ट कर सड़क किनारे टूटकर आई एक बड़ी चट्टान को तोड़ा जिसके बाद मशीनों की सहायता से चट्टान के टुकड़ों को सड़क से हटाया गया। सुबह साढ़े छह बजे के बाद यहां पर मशीनों की सहायता से पहाड़ी से आये मलबे को समतल करने का कार्य शुरू किया गया। और सुबह प्रातः साढ़े नौ बजे दोपहिया वाहनों की आवाजाही के लिए सड़क तैयार की गई। क्योकि यहां पर अभी भी खड़ी चढ़ाई बनी हुई है इसलिए पुलिस प्रशासन, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, बीआरओ ने अपने जवानों को तैयार हुई कच्ची सड़क के किनारे किनारे खड़ा कर एक-एक करके दुपहिया वाहनों की आवाजाही शुरू करवाई। बीच-बीच में लोगों को लाईन में लगाकर उन्हें भी एक किनारे से दूसरे किनारे भेजा गया। (एजेंसी)

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382-222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com